राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 234 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, रविवार 22 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर बोला हमला, कहा-नारे लगाने में माहिर, समस्या समाधान में नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारे लगाने की कला में माहिर हैं लेकिन समस्या का समाधान निकालने में नहीं हैं. उन्होंने दावा किया कि मेक इन इंडिया योजना के बावजूद भारत का विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर है.

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मेक इन इंडिया ने कारखानों में तेजी का वादा किया था तो फिर विनिर्माण क्यों रिकॉर्ड निचले स्तर पर है. युवा बेरोजगारी रिकॉर्ड ऊंचाई पर है. चीन से आयात दोगुने से अधिक क्यों हो गया है? पीएम मोदी के पास समाधान नहीं, बल्कि नारे लगाने की कला में महारत हासिल कर ली है. 2014 के बाद से विनिर्माण हमारी अर्थव्यवस्था का 14 प्रतिशत तक गिर गया है. लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि मोदी के पास कोई नया विचार नहीं है और उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है. उन्होंने आरोप लगाया, यहां तक कि बहुचर्चित पीएलआई योजना को भी अब चुपचाप वापस ले लिया जा रहा है.

सेन समाज की प्रतिभाओं ने अपनी उपलब्धियों से समाज को किया गौरवान्वित

सेन समाज की प्रतिभाओं ने अपनी उपलब्धियों से समाज को किया गौरवान्वित: मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय सर्व नाई सेन समाज के महासम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में हुए शामिल

सेन समाज भवन विस्तार हेतु 10 लाख एवं बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 10 लाख की घोषणा

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जशपुर जिले के कुनकुरी के महुआटोली में आयोजित सर्व नाई सेन समाज के महासम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि नाई समाज को मेहनती और स्वावलंबी समाज के रूप में जाना जाता है। सेन समाज के अनेक लोग आज शिक्षा, व्यापार, प्रशासन और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा के दम पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष 12वीं कक्षा के प्रदेश टॉपर अखिल सेन इसी समाज से हैं। रायपुर में एआई डेटा सेंटर की स्थापना करने जा रहे इंदौर के उद्यमी भी सेन समाज से हैं। मुख्यमंत्री ने भारत रत्न स्व. श्री कर्पूरी ठाकुर जी का स्मरण करते हुए कहा कि देश की उन्नति में सेन समाज का योगदान उल्लेखनीय रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जन्म से लेकर अंत्येष्टि तक कोई भी संस्कार सेन समाज के योगदान के बिना पूर्ण नहीं होता। समाज के विविध संस्कारों में इस समाज की भूमिका अत्यंत विशिष्ट है।

शिक्षा है समाज की प्रगति की कुंजी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री साय ने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की कुंजी है। जिस समाज में शिक्षा का स्तर ऊंचा होता है, वह समाज उतना ही सशक्त और प्रगतिशील बनता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु निरंतर नीतिगत निर्णय ले रही है। राज्य में अब राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थाएँ स्थापित की जा रही हैं। नालंदा परिसर जैसे अत्याधुनिक पुस्तकालयों का निर्माण प्रदेशभर में किया जा रहा है, ताकि छात्र प्रतियोगी युग के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें।

सेन समाज को सामाजिक भवन विस्तार व बाउंड्रीवाल के लिए 20 लाख की सौगात

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कुनकुरी स्थित सेन समाज के सामाजिक भवन के विस्तार हेतु 10 लाख और बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 10 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। छत्तीसगढ़ केश शिल्पी बोर्ड की अध्यक्ष सुश्री मोना सेन ने इस अवसर पर कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मसम्मान का मजबूत आधार बन रही है।

एअर इंडिया के तीन अधिकारी पद से हटाए जाएंगे, डीजीसीए ने दिए सख्त निर्देश

एयरलाइन को चेतावनी भी दी

नईदिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को हुए अहमदाबाद विमान हादसे में अब बड़ी कार्रवाई हुई है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को अपने 3 कर्मचारियों को तुरंत बर्खास्त करने को कहा है। बताया जा रहा है कि ये कर्मचारी क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग का काम संभालते थे। इसमें लगातार गंभीर लापरवाहियां सामने आने के बाद इन कर्मचारियों की सेवाएं तत्काल समाप्त करने को कहा गया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को चेतावनी भी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डीजीसीए ने नोटिस में कहा, एयर इंडिया द्वारा लाइसेंसिंग, आराम और रीसेंसी आवश्यकताओं में चूक के बावजूद फ्लाइट क्रू के शेड्यूल और संचालन के संबंध में बार-बार और गंभीर उल्लंघनों का खुलासा किया गया। ये क्रू शेड्यूलिंग, अनुपालन निगरानी और आंतरिक जवाबदेही में प्रणालीगत विफलताओं की ओर इशारा करते हैं। चिंता की बात है कि इन परिचालन चूकों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार प्रमुख अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक उपायों का अभाव है। डीजीसीए ने एयर इंडिया को चेतावनी देते हुए कहा कि क्रू शेड्यूलिंग मानदंडों, लाइसेंसिंग या उड़ान समय सीमाओं के किसी भी उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

योग की शिक्षा किसी संप्रदाय या पंथ से जुड़ी नहीं

देहरादून। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण स्थित विधानसभा परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसके साथ ही प्रदेश भर में भी योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए. देहरादून स्थित पुलिस लाइन में भी इंटरनेशनल योग डे के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 1000 लोगों के साथ योगाभ्यास किया.

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड का क्षेत्र योग और अध्यात्म का केंद्र रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने 3 लाख लोगों के साथ विशाखापट्टनम में किया योग, बोले- इसने पूरी दुनिया को जोड़ा

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। आज पूरे देश और दुनिया में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। इस साल खास आयोजन योग संगम के तहत सुबह 6:30 से 7:45 बजे तक देशभर के एक लाख से ज्यादा जगहों पर सामूहिक रूप से योग किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में राष्ट्रीय योग कार्यक्रम का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि योग का

मतलब होता है- जोड़ना और ये देखना सुखद है कि योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है। भारतीय संस्कृति हमें सिखाती है- सर्वे भवंतु सुखिनः यानी सभी का कल्याण ही मेरा कर्तव्य है। मैं से हम की यात्रा ही सेवा, समर्पण और सह-अस्तित्व का आधार है। दुर्भाग्य से आज दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। पीएम मोदी ने विशाखापट्टनम में 3 लाख लोगों और 40 देशों के राजनयिकों के साथ योग किया।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शा. पूर्व माध्यमिक शाला गिरहोला मनाया गया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शा. पूर्व माध्यमिक शाला गिरहोला में योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत विद्यालय के बच्चों को योग का महत्व बताते हुए योग प्रशिक्षिका श्रीमती चंद्रिका सहारे के द्वारा योग का अभ्यास करवाया गया योग अभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत योग के महत्व और लाभों के बारे में विद्यालय के बच्चों को जागरूक करना था तथा बच्चों बताया गया कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है जिसके माध्यम से शारीरिक,मानसिक,और आत्मिक स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद मिलती है विद्यालय के इस कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य दुर्ग श्रीमती ऊषा सोनवानी, ग्राम पंचायत गिराहोला के सरपंच श्री घनश्याम बंजारे, पंच तथा शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री उमेश बंजारे, पंच कन्हैयालाल सोनवानी, पंच श्रीमती हेमा बंदे, पंच भवन कोषरे ,रामदास सायटोण्डे ,पंच श्रीमती शिव टंडन तथा श्रीमती आराधना सोनवानी की गरिमामई उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण श्रीमती रामहीन उइके,श्रीमती दामेश्वरी ध्रुवे , श्रीमती सोफ्या जोसेफ श्री राहुल वासनिक की उपस्थिति रही इसकी जानकारी योग संगम कार्यक्रम पोर्टल पर दर्ज की गई है।

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहिवारा का निरीक्षण किया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहिवारा का औचक निरीक्षण किया 7जन समस्या को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया जिसमे बहुत सारी अव्यवस्था पाई गई,मेन गेट के पास जो बड़ा सा गड्ढा है उसे समतल करने के लिये, खून जांच की व्यवस्था में सुधार, पैथोलॉजी लैब के पास गर्भमति महिलाओं के लिए महिला प्रसाधन की व्यवस्था,ड्रेसिंग कमरे की सफाई व्यवस्था में सुधार,सोनोग्राफी दिवस बढ़ाने की मांग,सफाई की व्यवस्था मे सुधार, महिला कर्मचारियों की सुरक्षा की व्यवस्था,एम्बुलेंस सुविधा वे अन्य कई महत्वपूर्ण विषय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. रवींद्र वर्मा से बातचित की गई और समस्याओं से अवगत कराया गया , हो रही असुविधा के जल्दी निराकरण का ऊनहोने आश्वासन दिया7 निरिक्षण दल मे गोवर्द्धन ताम्रकार,कौशल साहू(जिला उपाध्यक्ष) जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी दुर्ग ग्रामीण , धर्मेन्द्र साहू (जिला उपाध्यक्ष) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना भिलाई नगर , माधव साहू (जिला सचिव) छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना भिलाई नगर, आशुतोष साहू(अध्यक्ष) जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर,पंकज लहरी (उपाध्यक्ष)जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर, वैभव पटेल (मीडिया प्रभारी)महेंद्र धुर्वे,आज़ाद सिवारे,छोटू यादव,घनश्याम साहू, ललित वर्मा,वे अन्य सेनानी सामिल रहे।

शास उच्च माध्य विद्यालय मेड़ेसरा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शास उच्च माध्य विद्यालय मेड़ेसरा में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक विश्व एक स्वास्थ शरीर कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था प्रमुख श्रीमती रश्मि रंजना बंशियार के निर्देशन और व्यायाम शिक्षक श्री सितेश्वर साहू के मार्गदर्शन में शाला के समस्त व्याख्याता गण और विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आयाम जैसे द्व ताड़ासन, भुजंगासन, मकरासन, पादहस्तासन त्रिकोणासन, अनुलोम विलोम, भ्रामरी कपालभाती ,ध्यान, इत्यादि योग करवाते हुए उसे करने की सही प्रक्रिया और उससे होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। साथ ही प्राचार्य महोदया जी ने सभी को चना गुड़ का वितरण कर प्रतिदिन नियमित रूप से योग प्राणायाम और व्यायाम करने हेतु निर्देशित किया । इस अवसर पर शाला में 12 व्याख्याता और 255 विद्यार्थी उपस्थित होकर इस अवसर से लाभान्वित हुए।

कुसुम सोनवानी को पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित

बिलाईगढ़ (समय दर्शन) छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में बिलाईगढ़ की होनहार खिलाड़ी कुसुम सोनवानी को राज्य के प्रतिष्ठित बंसल न्यूज पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें खेल जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन और उपलब्धियों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के करकमलों से प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुसुम सोनवानी को ?50,000 की प्रोत्साहन राशि का चेक भी सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने की, साथ ही मंच पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कुसुम सोनवानी की इस शानदार उपलब्धि पर बिलाईगढ़ क्षेत्र सहित पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से प्रहलाद कैवर्त, यशपाल यादव, राजकुमार जांगड़े,अरुण कुमार टण्डन, त्रिलोक हरिप्रिय,महेंद्र कुमार मरावी, गोविंद अजय,रामेश्वर प्रसाद अजय, पंचराम साहू, सुरेश कुमार, आपुर बंजारे, ललिता सोनवानी, रेवती,कौशिल्या, खुलेश, खुशबू सोनवानी, एवं उनका पूरा परिवार शामिल रहा।

यह सम्मान न केवल कुसुम सोनवानी के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह समूचे बिलाईगढ़ क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। खेल के क्षेत्र में निरंतर मेहनत और समर्पण से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

खेलो इंडिया कबड्डी प्रतियोगिता के लिए राजनांदगांव की चार बालिकाओं का चयन

राजनांदगांव। शहर व जिले के लिए गौरव का क्षण है, जब चार बालिकाओं का चयन खेलो इंडिया अंडर-18 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह चयन हाल ही में बिलासपुर में आयोजित चयन शिविर में हुआ, जिसमें जिले की प्रतिभाशाली बालिकाओं ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा।

चयनित बालिकाओं में कुमकुम उच्च माध्यमिक विद्यालय धामनसरा, मीनाक्षी भामनी, धनेश्वर कंवर और प्यारेलाल ठाकुर उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजनांदगांव शामिल हैं। ये चारों खिलाड़ी दिनांक 28 जून से 1 जुलाई तक हरिद्वार में आयोजित खेलो इंडिया अंडर-18 कबड्डी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

कमला कॉलेज ग्राउंड में नियमित अभ्यास कर रहीं इन बालिकाओं को प्रशिक्षकों ललित साहू, संतोष देशमुख एवं व्यायाम शिक्षक तीरथ गोस्वामी और संजय मांडवी का विशेष मार्गदर्शन मिला। उनके चयन पर जिले भर में खुशी की लहर है। इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ अध्यक्ष अशोक चौधरी, शहर कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, पूर्व युवा आयोग अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख, पूर्व जनपद सदस्य योगेंद्र दास वैष्णव, पूर्व जनपद सदस्य रोशनी वैष्णव, सरपंच गौरी कृत लाल पटेल, पूर्व सरपंच पुनू राम पटेल, पूर्व सरपंच लोकेश गंगवीर, तथा जिले के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने इन बालिकाओं को बधाई दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। खेलो इंडिया के मंच पर राजनांदगांव की बेटियां न सिर्फ अपने खेल से राज्य का नाम रोशन करेंगी, बल्कि अन्य बालिकाओं के लिए भी प्रेरणा बनेंगी।

परियोजना विद्यालय में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उत्साहपूर्वक हुआ योगाभ्यास

दंतेवाडा किरंदुल। परियोजना विद्यालय में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक संजीव साही और प्रेरणा महिला समिति की अध्यक्षा मंजू साही ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उप महाप्रबंधक (कार्मिक) के.एल.नागवेणी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।संजीव साही ने अपने संबोधन में कहा, योग न केवल शारीरिक क्रिया है, बल्कि यह हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो शरीर, मन और ध्यान को जोड़ता है। योग शिक्षक नरोत्तम ध्रुव ने उपस्थित लोगों को प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, पद्मासन, वज्रासन, शवासन, भुजंगासन और सूर्यनमस्कार जैसे आसनों का अभ्यास कराया।कार्यक्रम में महाप्रबंधक (खनन)/खान प्रबंधक एस.के.कोचर, महाप्रबंधक (सामग्री) पी.बी.एंटोनी, महाप्रबंधक (यांत्रिक सेवाएं) सेल्वाकुमार, उप महाप्रबंधक (प्रशिक्षण व सुरक्षा) सुनील कुमार, उप महाप्रबंधक (सिविल) टी.एस.रामनाथ, एमएमडब्ल्यू यूनियन के सचिव ए.के.सिंह, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) संजय पाटील, सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा) प्रमोद कुमार, सहायक महाप्रबंधक (कार्मिक) शैलेंद्र सोनी सहित विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं और आमजन उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक) अभिजीत मिश्रा और दिनेश साहू ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उप महाप्रबंधक (कार्मिक) मो. तनवीर जावेद ने किया। कार्मिक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर ग्रामीण अंचलों में गूंजा योग का मंत्र, बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने लिया भाग

राजनांदगांव। कलेक्टर राजनांदगांव के मार्गदर्शन में जनकल्याण सामाजिक संस्थान द्वारा संचालित लिंक वर्कर स्कीम परियोजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न ग्रामों में योग सत्र आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में स्कूली छात्र-छात्राएं, ग्रामवासी, जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मी शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद एवं ग्रंथालय विभाग के लीलाधर ठाकुर ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि योग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने बताया कि 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी, और पहली बार यह दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को सूर्य नमस्कार, मुद्रासन, पद्मासन एवं अन्य प्रमुख योगासनों के साथ अनुलोम-विलोम प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग से होने वाले लाभों की जानकारी क्रमबद्ध तरीके से दी गई। वक्ताओं ने बताया कि नियमित योग अभ्यास से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा मानसिक तनाव दूर होता है। संस्था द्वारा राजनांदगांव ब्लॉक के इंदामरा, बुंदेलीकला, जंगलेसर, कोटरभाठा, डोंगरगढ़ ब्लॉक के बेलगांव, रेगाकटेरा, मोतीपुर, कोलिहापुरी, डोंगरगांव ब्लॉक के आमगांव, कोनारी, कोकपुर और छुईखदान ब्लॉक के घिरघोली, गभरा ग्रामों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि योग को यदि हम अपने जीवन में नियमित रूप से अपनाएं, तो एक स्वस्थ समाज एवं राज्य के निर्माण में हम अपना सशक्त योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में लिंक वर्कर स्कीम परियोजना की सुपरवाइजर रेवा साहू सहित सीमा साहू, धर्मेंद्र यादव, संगीता तिवारी, कांति, चमेली साहू, चित्ररेखा साहू, किरण साहू, सरस्वती साहू, आशा सहारे, पूर्णिमा हल्बा, जानकी साहू, सविता विश्वकर्मा, संतोषी खान, पवन ठाकुर, ललिता भीमकार तथा स्कूल स्टाफ, स्वास्थ्य कर्मियों और बड़ी संख्या में ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नियमित योग अपनाने की शपथ ली।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा दुर्ग में अनेक भाई-बहनों ने योग किया

ब्रह्माकुमारी रीटा बहन ने कहा योग तन और मन की औषाधि है।

सम्पूर्ण स्वास्थ की कुंजी है योग - डॉ. नारायण चंद्राकर (योग शिक्षक)

दुर्ग (समय दर्शन)। संपूर्ण विश्व में 11 वाँ योग दिवस मनाया जा रहा है इस क्रम में ब्रह्माकुमारीज के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में अनेक भाई-बहनों ने योग किया।इस अवसर पर संस्था की संचालिका रीटा बहन ने बोला स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है हमें अच्छा तभी महसूस होता है जब तन स्वस्थ हो-मन स्वस्थ हो योग से तन और मन दोनों स्वस्थ होते हैं मन में अच्छे विचार रखने से जहां रहते हैं वहां का वातावरण सौहार्दपूर्ण बन जाता है द्य योग का अर्थ है जोड़ना संपूर्ण विश्व में देखें तो वसुधैव कुटुंब की भावना अर्थात जोड़ने की भावना भारत से प्रारंभ हुई है हमारी मान्यता है संपूर्ण विश्व ही हमारा परिवार है । हमारी देह रूप में भले ही भिन्न-भिन्न जाति, भाषा ,धर्म देश हो सकती है किंतु देह को संचालित करने वाली जो शक्ति है जिसे आत्मा,सोल, रूह या एनर्जी कहते है वह सभी देहधारियों में है और सब में व्याप्त वह चैतन्य शक्ति जिसे आत्मा कहते हैं सब का पिता एक परम आत्मा ही है इस नाते हम एक पिता के संतान हुए ।

स्वयं के व अपने उस अविनाशी पिता जिसे भिन्न-भिन्न भाषा में कोई परम आत्मा,भगवान,गॉड , अल्लाह कहते हैं उस अविनाशी पिता कोई याद करना व उनसे संबंध जोड़ना यह भी योग है जिससे मन के संताप दूर होते हैं । डॉक्टर नारायण चंद्राकर (योग शिक्षक) ने सभी को योग का महत्व समझाया योग कोई एक दिन करने का नहीं है यह भारतीय संस्कृति की जीवन शैली है । हमारे महर्षियों ने हमें स्वस्थ जीवन जीने के लिए यम नियम प्राणायाम योग की जो विधियां सिखाई है वह आज तक तन और मन को संबल प्रदान कर रहा है । इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूपाली बहन नेअंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी को बधाई दिया और कहा कि योग को अपनी जीवनशैली बना लें तो तन स्वस्थ रहेगा एवं प्रतिदिन राजयोग करेंगे तो मन स्वस्थ रहेगा ।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर धमतरी पुलिस ने पुलिस लाईन में कराया सामूहिक योगाभ्यास

एसपी के निर्देश पर एएसपी. की उपस्थिति में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने किया योगाभ्यास

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मणिशंकर चन्द्रा की उपस्थिति में पुलिस लाइन परिसर, धमतरी में योगाभ्यास कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 6:00 बजे योग प्रशिक्षकों के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारी, उप निरीक्षकगण, प्रधान आरक्षक, आरक्षक सहित पुलिस बल के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों ने सभी प्रतिभागियों को सामूहिक योग अभ्यास कराते हुए विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया। इस योगाभ्यास सत्र में ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, शवासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, ध्यान योग जैसे अभ्यास शामिल किए गए। योगाभ्यास के दौरान पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा और अनुशासन का वातावरण दिखाई दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मणिशंकर चन्द्रा ने अपने उद्बोधन में कहा :- योग हमारे जीवन में मानसिक संतुलन, आत्मिक शांति और शारीरिक स्फूर्ति प्रदान करता है। यह न केवल हमारे कार्यक्षमता

को बढ़ाता है बल्कि तनाव प्रबंधन में भी अत्यंत सहायक है। पुलिस बल के लिए योग एक जरूरी अभ्यास है जिसे हम सभी को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस विभाग में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी अत्यधिक मानसिक और शारीरिक दबाव में कार्य करते हैं, ऐसे में योग उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार हरदिहा साहू समाज के भवन में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में आयोजित जिलास्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल होने के कारण उन्होंने वहीं से संदेश प्रेषित कर सभी पुलिसकर्मियों को विश्व योग दिवस की शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ङ्क:

>योग हमारी भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग है, जिसे अपनाकर हम स्वस्थ शरीर और मजबूत मन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन और भी बेहतर ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर धमतरी पुलिस के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने योग को अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ एवं सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

धमतरी पुलिस द्वारा आयोजित यह आयोजन सामूहिक स्वास्थ्य, मानसिक सुदृढ़ता और आत्मिक संतुलन की दिशा में एक प्रेरणास्पद पहल के रूप में समाज में एक सकारात्मक संदेश देने वाला साबित हुआ। विदित हो की धमतरी पुलिस लाईन में पूर्व में भी नियमित योगा अभ्यास होता रहा है,आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस लाईन धमतरी में भव्य योगाभ्यास का आयोजन हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मणिशंकर चन्द्रा, उप पुलिस अधीक्षक श्री भावेश साव,श्रीमती रागिनी मिश्रा, सुश्री मोनिका मरावी,रक्षित निरी श्री दीपक शर्मा,थाना प्रभारी भखारा निरीक्षक लेख राम ठाकुर,निरी(एम) अखिलेश शुक्ला, लक्ष्मी ध्रुव,उनि.उमाकांत तिवारी, बी.आर.सिन्हा सहित जिले के अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी अधिक संख्या में उपस्थित थे।

जनसंवाद, विकास और जनभागीदारी की मिसाल

गोद लिए ग्राम टेमरी में राज्यपाल रमेन डेका का प्रेरक प्रवास

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बेमेतरा जिले के अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन अपने गोद लिए ग्राम टेमरी पहुँचे, जहाँ उन्होंने एक जनसेवी और जनसरोकारों से जुड़े नेतृत्वकर्ता के रूप में सादगी और प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

ग्राम टेमरी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पीपल का पौधा रोपा। इस अवसर पर खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने भी कदम का पौधा लगाया। इस प्रतीकात्मक पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और मातृ-सम्मान का सुंदर संदेश दिया गया।

इसके पश्चात् राज्यपाल ने ग्राम पंचायत के स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और दवाई भंडार व नेत्र परीक्षण कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रभारी चिकित्सक से दवाइयों की उपलब्धता, रोगियों की संख्या और उपचार की स्थिति की जानकारी ली।

जनसंवाद कार्यक्रम - ग्रामीणों से सीधा संवाद

पंचायत भवन परिसर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में राज्यपाल ने सरपंच, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं और ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। जब सरपंच ने गांव में पेयजल की गंभीर समस्या उठाई, तो राज्यपाल ने अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देश दिए और समाधान का आश्वासन भी दिया।

राज्यपाल ने कहा, जब मैंने इस गांव को गोद लिया है, तो इसका समग्र विकास मेरा दायित्व है, लेकिन यह तभी संभव है जब आप सभी साथ मिलकर सहयोग करें। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को प्राथमिकता बताते हुए महिलाओं को स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। उन्होंने असम राज्य का उदाहरण देते हुए बताया कि वहाँ की महिलाएं हर सप्ताह कुछ घंटे श्रमदान कर गांव की सफाई करती हैं, ऐसी ही पहल की जरूरत टेमरी में भी है।

राज्यपाल ने स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए गांव में ओपन जिम स्थापित करने के निर्देश दिए, जिस पर वहां उपस्थित खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने त्वरित कार्रवाही के लिए निर्देशित किया साथ ही उन्होंने भविष्य में एक और जिम खोलने की भी घोषणा की। श्री डेका ने गांव के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बकरी पालन, जैविक खेती, सब्जी उत्पादन और सहकारिता योजनाओं से जुड़ने का सुझाव दिया। राज्यपाल के सचिव व सहकारिता विभाग के प्रमुख डॉ. सी.आर. प्रसन्ना ने ग्रामीणों को सहकारिता समितियों से जुड़ने के लाभ बताए। कार्यक्रम के समापन पर राज्यपाल ने तीन तीन टी.बी रोगियों को पोषण फुड बास्केट, प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को गणवेश तथा हाईस्कूल के नवप्रवेशी छात्रों को पुस्तकें व स्कूल बैग वितरित किए। एकता स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला गोस्वामी द्वारा राज्यपाल को भेंट किए गए हस्तनिर्मित कुल्हड़ और ताजा सब्जियों की टोकरी को राज्यपाल ने आत्मीयता से स्वीकार किया और समूह के कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रवास ने न केवल गोद लिए गांव टेमरी के सर्वांगीण विकास की नींव रखी, बल्कि जनसुनवाई, भागीदारी और सेवा भावना को भी एक नई दिशा दी। राज्यपाल रमेन डेका का यह प्रयास निश्चित रूप से ग्राम टेमरी को एक आदर्श गांव के रूप में स्थापित करने की ओर प्रेरित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

संभागायुक्त ने ई शिकायतों का निराकरण समिति बना करने के निर्देश दिए

रायपुर (समय दर्शन)। संभागायुक्त महादेव कावरे ने भारतमाला

योजना के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने इस संबंध में आई विभिन्न दावा आपत्तियों की जानकारी ली। कावरे ने संबंधित पक्षों और आम जनता द्वारा की गई शिकायतों का समिति बनाकर निराकरण करने के निर्देश दिए। इस बैठक में उपायुक्त श्रीमती ज्योति सिंह, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, उमाशंकर बंदे और अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला पंचायत रायपुर की नई पहल : स्वरोजगार योजना के तहत 20 गाँवो को मिलेगा लाभ

आरंग विकासखंड में 1400 हितग्राहियों का चयन

रायपुर (समय दर्शन)। जिला पंचायत रायपुर के मार्गदर्शन में महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (MKSP) के तहत आरंग विकासखंड के 20 गांवो में एकीकृत विकास की अभिनव पहल की गयी है। इस योजना के तहत 4 क्लस्टरों में 250-300 परिवारों को दो या अधिक आजीविका गतिविधियों से जोड़कर लखपति दीदी बनाया जाएगा । अभी तक विकासखण्ड मे 1400 हितग्राहियों का चयन, ग्राम मे कार्यरत कैडर सीआरपी द्वारा किया जा चुका है। कृषि संबद्ध सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन प्रत्येक क्लस्टरों मे स्थापित आजीविका सेवा केन्द्र के द्वारा किया जायेगा जिसका संचालन एक सफल उद्यमी दीदी करेगी। चयनित उद्यमी को परियोजना से ब्याज रहित ऋण की पात्रता है। क्लस्टर में स्थापित आजीविका सेवा केन्द्र से हितग्राहियों को निम्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है :- पोल्ट्री, पशुपालन, किचन गार्डन, मछली पालन, नर्सरी, बायो रिसोर्स सेंटर, पशु स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि इनपुट सहयोग एवं FPC के माध्यम से बाज़ार उपलब्धता शामिल है।

शराब घोटाले में एसीबी की बड़ी कार्रवाई: रायपुर से कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया गिरफ्तार, रांची ले जाया जाएगा

रायपुर (समय दर्शन)। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी और आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी की टीम ने सिंघानिया को लाभांडी स्थित एक सोसाइटी से पकड़ा और कोर्ट में पेशी के बाद ट्रांजिट रिमांड पर रांची ले जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार, सिद्धार्थ सिंघानिया इस पूरे घोटाले में 'बिचौलिये' की भूमिका में था। प्रवर्तन निदेशालय ईडी को मिली उसकी डायरी में सिंडिकेट से जुड़े नेटवर्क, पैसों के लेन-देन और घोटाले की साजिशों का खुलासा हुआ है। मामले की जांच फ्लिहाल सीबीआई कर रही है। 38 करोड़ से अधिक का नुकसान, और बढ़ सकती है रकम एसीबी की शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि इस घोटाले से झारखंड सरकार को अब तक 38 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हो चुका है, और जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, यह आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है।

छत्तीसगढ़ के कई कारोबारी जांच के घेरे में- इस मामले में छत्तीसगढ़ के भी कई कारोबारी संदेह के घेरे में हैं। रायपुर के सरोज लोहिया, बच्चा लोहिया और अतीमा खन्ना, भोपाल के मनीष जैन और राजीव द्विवेदी, पुणे के अजीत जयसिंह राव, अमित प्रभाकर सोलंकी और सुनील कुंभकर को पूछताछ के लिए नोटिस भेजे गए हैं। हालांकि अभी तक इनमें से कोई भी जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुआ है। जरूरत पड़ने पर इनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए जा सकते हैं। दो राज्यों में फैला नेटवर्क, नीति में बदलाव कर उठाया फायदा एसीबी और ईओडब्ल्यू की जांच में खुलासा हुआ है कि सिद्धार्थ सिंघानिया ने छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर झारखंड में भी अपना नेटवर्क खड़ा किया। इन लोगों ने कथित तौर पर दोनों राज्यों की शराब नीति में बदलाव कर अपने करीबी लोगों को शराब आपूर्ति, मैनपावर और होलोग्राम निर्माण जैसे ठेके दिलवाए।

छत्तीसगढ़ में ACB ने 7 सितंबर 2024 को इस घोटाले में स्वद्धक दर्ज की थी। इस एफआईआर में तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा सहित कई अधिकारियों और कारोबारियों को आरोपी बनाया गया है।

फर्जी तरीके से मैनपावर सप्लाई, पुराने कर्मचारियों को ही दिखाया नया- जांच में यह भी सामने आया है कि झारखंड में मैनपावर सप्लाई करने के लिए जो शर्तें रखी गई थीं—जैसे 310 दुकानों के लिए 49.67 लाख रुपये की EMD और 11.28 करोड़ की बैंक गारंटी, साथ ही पिछले दो वर्षों में चार करोड़ रुपये के सरकारी कार्य का अनुभव—वो केवल कुछ खास कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाई गई थीं।

इन कंपनियों—सुमित फैसिलिटीज, इगल हंटर सॉल्यूशंस और एटूजेड इंफ्रा—को झारखंड में ठेके मिले और उन्होंने सिद्धार्थ सिंघानिया को मैनपावर सप्लाई का काम सौंपा। लेकिन सिंघानिया ने नए कर्मचारियों की भर्ती की बजाय, पहले से दुकानों में काम कर रहे पुराने कर्मचारियों को ही दोबारा काम पर रख दिया।

युक्तिकरण नीति से सुधर रही शिक्षा व्यवस्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में लागू युक्तिकरण नीति अब सार्थक परिणाम दे रही है। जिलेभर के स्कूलों में शिक्षक व्यवस्था सुदृढ़ होने से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि छात्रों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। शिक्षकविहीन और एकल शिक्षक के भरोसे संचालित स्कूलों में अब नियमित शिक्षण व्यवस्था प्रारंभ हो चुकी है। इससे दूरस्थ अंचलों के बच्चों को अब विषयानुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो रही है।

युक्तिकरण नीति से सुधर रही शिक्षा व्यवस्था- बलरामपुर जिले में 311 एकल शिक्षक वाले और 14 शिक्षकविहीन विद्यालयों में युक्तिकरण के अंतर्गत अतिशेष शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई डेटा आधारित कार्ययोजना और संतुलित पुनर्विन्यास के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी विद्यालय में शिक्षक का पद लंबी अवधि तक रिक्त न रहे।

दूरस्थ अंचलों में लौटा शिक्षा का उजियारा- बलरामपुर विकासखंड का प्राथमिक शाला महाराजगंज, जो लंबे समय से शिक्षकविहीन था, वहां युक्तिकरण नीति के तहत शिक्षक की पदस्थापना के बाद पुन: नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं। इसी तरह प्राथमिक शालाएं लुर्गी, भीतर सौनी और मक्याठी जैसे एकल शिक्षक विद्यालयों में भी अब विषयवार शिक्षकों की तैनाती संभव हो पाई है।

शिक्षकों का संतुलित भार, छात्रों को विषयवार पढ़ाई- युक्तिकरण नीति ने शिक्षकों का कार्यभार संतुलित किया है और विद्यार्थियों को समुचित विषयों की पढ़ाई मिल रही है। इससे विद्यार्थियों को न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभ मिलेगा, बल्कि जीवन कौशल और सर्वांगीण विकास की दिशा में भी वे आगे बढ़ पाएंगे।

विद्यालयों में दिखने लगा बदलाव- युक्तिकरण नीति का असर केवल शिक्षकों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव विद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण, बालसभा, पठन-संवर्धन, कला-संस्कृति गतिविधियों, अभिभावकों की संतुष्टि और समुदाय के विश्वास के रूप में भी देखने को मिल रहा है।

यह नीति न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊँचाई दे रही है, बल्कि स्कूल और समाज के बीच साझेदारी को भी मज़बूत कर रही है। आने वाले समय में यह पहल छात्रों की उपस्थिति, वार्षिक परीक्षा परिणाम और समग्र शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

संभागायुक्त ने एनपीके और सुपर फास्फेट खाद को बढ़ावा देने के निर्देश दिए

खाद-बीज के पर्याप्त भंडारण करने दिए निर्देश

रायपुर (समय दर्शन)। संभागायुक्त महादेव कांवरे ने आज कृषि विभाग की समीक्षा बैठक ली। इसमें सभी ज़िलों में बीज एवं खाद्य के भंडारण वितरण की जानकारी ली गई। कांवरे ने डीएपी की कमी को देखते हुए सहकारी समितियों में एनपीके और सुपर फास्फेट खाद को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी समितियों में किसानों को इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि समितियों में पोस्टर लगाए गए हैं और खाद का भंडारण पर्याप्त मात्रा में है, यूरिया की भी कहीं कोई कमी नहीं हैं। बैठक में ऋण वितरण की भी समीक्षा की गई। इस दौरान महासमुंद ज़िले में ऋण देने का दर कम होने पर सहकारी बैंक को बढ़ाने के निर्देशित किया गया। बैठक में बताया गया कि रायपुर, बलौदाबाजार, धमतरी ज़िलों

में ऋण वितरण की स्थिति अच्छी है। संभागायुक्त कांवरे ने अधिकारियों को निर्देशित किया की संभाग के किसानों किसी प्रकार की तकलीफ ना हो। अधिकारियों ने बताया कि रायपुर संभाग में खाद की कुल भंडारण संख्या 1 लाख 30 हजार 352 टन का हुआ है, जिसमें से 1 अप्रैल 2025 तक 89 हजार 537 टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। इसी प्रकार धान बीज का कुल भंडारण 1 लाख 29 हजार 799 क्विंटल किया गया, जिसमें से 93 हजार 586 क्विंटल का वितरण किया जा चुका है। किसान बीज की स्थिति में 98 प्रतिशत भंडारण हो चुका हैं साथ ही 52 प्रतिशत का वितरण भी हो चूका है। धान के अलावा अन्य दल्हन बीजों का भी भण्डारण हो रहा है। बैठक में कृषि विभाग के संयुक्त संचालक गयाराम, सहकारी बैंक की सीईओ श्रीमती अपेक्षा व्यास तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल

प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित कर दी शुभकामनाएं

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में बंसल न्यूज़ द्वारा आयोजित पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार 2025 कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने खेल के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के लिए बंसल न्यूज़ की पहल की सराहना की और आयोजकों एवं सम्मानित युवा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विगत तीन वर्षों से बंसल न्यूज़ द्वारा प्रदेश भर के ग्रामीण अंचलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित करने का जो कार्य किया जा रहा है, वह अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिवर्ष चयनित खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि

के रूप में 50,000 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं, जो उन्हें खेल गतिविधियों और अभ्यास को निरंतर बनाए रखने तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में बंसल न्यूज़ प्रदेशवासियों के लिए एक सशक्त मंच के रूप में उभरा है। उन्होंने संस्थान को साधुवाद देते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित जनसमूह को 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और सभी से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आग्रह भी किया।

एचपीवी-कैंसर पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन की हुई शुरुआत

रायपुर चिकित्सा जगत के विशेषज्ञों ने इस अभियान को दिया समर्थन

रायपुर (समय दर्शन)। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफइंडिया द्वारा पूरे देश में चलाए जाने वाले पब्लिक हेल्थ इनिशिएटिव के सिलसिले में रायपुर में कॉनकर एचपीवी एंड कैंसर कॉन्क्लेव 2025 का आयोजन किया गया।

भारत एचपीवी से जुड़ी बीमारियों की चुनौती का लगातार सामना कर रहा है और इनमें भी सर्वाइकल कैंसर खास तौर पर हमारी चिंता की वजह है। एचपीवी देश में महिलाओं में होने वाली कैंसर की दूसरी सबसे बड़ी वजह है। आईसीओ/आईएआरसी इंफॉर्मेशन सेंटर ऑन एचपीवी एंड कैंसर (2023) के मुताबिक हर साल भारत में 1.23 लाख सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं और इनमें 77,000 मौतें होती हैं। इसके अलावा गुदा के कैंसर के 90 प्रतिशत और लिंग के कैंसर के 63 प्रतिशत मामले एचपीवी से ही जुड़े होते हैं। रायपुर के कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों ने एचपीवी के लोगों के स्वास्थ्य पर पडने वाले असर पर गहन विचार-विमर्श किया। इस पैनल में शामिल थे डॉ. नीरजा अग्रवाल, प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष- प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, श्री बालाजी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसबीआईएमएस), रायपुर। कार्यकारी सदस्य- रायपुर प्रसूति एवं स्त्री रोग सोसायटी और रायपुर मेनोपॉज सोसायटी , डॉ. आशा जैन, चिकित्सा निदेशक- एसएमएसए अस्पताल, रायपुर। अध्यक्ष- एफ्ओजीएसआई एफ्डीएमएसई समिति (2025-27)। अध्यक्ष- रायपुर मेनोपॉज

सोसायटी (2024-26) , डॉ. सौरभ जैन, कंसल्टेंट- अमेरिकन ऑन्कोलॉजी संस्थान, रायपुर। पूर्व कंसल्टेंट- राम कृष्ण केयर अस्पताल, रायपुर।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के 500 से अधिक मामलों का ऑपरेशन किया , डॉ. के. पी. सरभाई, कार्यकारी बोर्ड सदस्य- सेंट्रल आईएपी 2025। अध्यक्ष सीजेडसीजी कॉन्फ 2024, डॉ. राघवेंद्र सिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ- शुभम क्लिनिक, रायपुर। कंसल्टेंट- एकता इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ। पूर्व अध्यक्ष- रायपुर एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स। पूर्व सचिव- छत्तीसगढ़ बाल चिकित्सा अकादमी (2017-20) ।

सत्र का संचालन डॉ. किरण मखीजा, अध्यक्ष- सीजीएपी 2024। आईएपी के न्यूरोलॉजी चैप्टर के मानद सचिव। ईबी सदस्य- एफ्बीएस आईएपी, जीडीबीपी चैप्टर कर रहे थे । आप केंद्रीय आईएपी ईबी सदस्य 2025 होने के साथ आईएपी-आईसीपी की गवर्निंग कौंसिल 2024-26 के सदस्य भी हैं। इन सभी चिकित्सकों ने इस बात पर जोर दिया कि एचपीवी से सुरक्षा के लिए जागरूकता की बहुत जरूरत है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि किशोरों और उनके माता-पिता को इस बारे में बताने की जरूरत है और सुरक्षात्मक कदम उठाने में स्वास्थ्य सुविधाएं देने वालों की बहुत अहम भूमिका है।

सभी विशेषज्ञों ने विशेष रूप से कहा कि एचपीवी से सिर्फ सर्वाइकल कैंसर ही नहीं होता है, बल्कि इससे वलवा, वैजाइना, गुदा, लिंग और ओरोफेरिंक्स का कैंसर भी होता है। यह महिला और पुरुष दोनों को समान रूप से प्रभावित करता है। एचपीवी के संक्रमण का खतरा 15 से 25 साल की उम्र के बीच ज्यादा होता है। इसी वजह से शुरुआत में ही इसकी पहचान करना और इसे फैलने से रोकने के कदम उठाना बेहद जरूरी है। अब कम खर्चीली एचपीवी वैक्सीन (टीके) उपलब्ध है। इससे यह संभव हुआ है कि हर व्यक्ति को एचपीवी से जुड़े कैंसर से बचाया जा सके। सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव डाइरेक्टर पराग देशमुख कहते हैं, देश भर में होने वाली इन कॉन्क्लेव के जरिए हम ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) के बारे में लोगों को समझाना चाहते हैं और यह बताना चाहते हैं कि यह सर्वाइकल कैंसर के साथ-साथ अन्य तरह के कैंसर का कारण है। हम चिकित्सकों, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों और समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर इस विषय पर बातचीत करना चाहते हैं। हम इस पर हर कोण से बातचीत चाहते हैं ताकि हमें इसकी पहचान और रोकथाम से जुड़े व्यावहारिक समाधान मिल सकें।

संपादकीय

सुलभ, पारदर्शी और समावेशी न्याय सबकी जरूरत

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई का यह कहना कि न्यायिक निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी को मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं लेना चाहिए अत्यंत विचारणीय तथ्य है, प्रौद्योगिकी मानव मस्तिष्क का स्थान भला कैसे ले सकती है जबकि उसकी भूमिका सहायक से अधिक नहीं हो सकती। न्यायमूर्ति गवई लंदन विविद्यालय से संबद्ध स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में 'भारतीय कानूनी पण्राली में प्रौद्योगिकी की भूमिका' विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उनका यह कहना बिल्कुल उचित है कि स्वचालित वाद सूचियों, 'डिजिटल कियोस्क' और आभासी सहायकों जैसे नवाचारों का स्वागत किया जा सकता है। पर विवेक, सहानुभूति और न्यायिक व्याख्या बेशकीमती हैं। प्रौद्योगिकी इनका स्थान कभी नहीं ले सकती। भारत के पास तकनीकी दक्षता, दूरदर्शिता और लोकतांत्रिक जनादेश है, जिससे समानता, सम्मान और न्याय के हमारे मूल्यों को प्रतिबिंबित करने वाली पण्रालियां विकसित की जा सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश का पद ग्रहण करते ही न्यायमूर्ति गवई ने न्यायपालिका में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती प्रौद्योगिकियों के नैतिक उपयोग पर उच्चतम न्यायालय के अनुसंधान और योजना केंद्र के साथ चर्चा की शुरुआत की थी। प्रधान न्यायाधीश की इस बात से सहमत हुए बिना नहीं रहा जा सकता कि प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवीय विवेक का स्थान लेने के लिए न किया जाए। हालांकि कुछ मामलों में न्यायपालिका ने प्रौद्योगिकी को अपनाना शुरू किया है, लेकिन एआई के इस्तेमाल के मामले में केस प्रबंधन से लेकर कानूनी अनुसंधान, और दस्तावेज के अनुवाद तक भरपूर सावधानी जरूरी है। दुनिया भर में कानूनी पण्रालियों में एआई के नैतिक उपयोग पर गंभीर बहस चल रही है। एल्गोरिदम संबंधी पूर्वाग्रह, गलत सूचना, आंकड़ों में हेरफेर और गोपनीयता जैसे मामलों ने सबकी चिंता बढ़ाई हुई है। पीड़ित की पहचान उजागर होने का खतरा भी बना रहता है। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल नहीं है। दूसरे, एआई उपकरणों के उचित विनियमन और निगरानी के अभाव में वे मनगढ़ंत उद्धरण या पक्षपातपूर्ण सुझाव दे सकते हैं। न्याय तक पहुंच केवल न्यायपालिका की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक साझा राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है। सुलभ, पारदर्शी और समावेशी न्याय सबकी जरूरत है।

युद्ध की आर्थिक लहर

भारत ईरान से सबसे अधिक मात्रा में कच्चा तेल और गैस आयात करता है। दुनिया के जिन देशों में तेल और गैस की आपूर्ति की जाती है, करीब 20 फीसदी आपूर्ति ईरान ही करता है। यदि कच्चे तेल की कीमत 1 डॉलर प्रति बैरल बढ़ती है, तो भारत का आयात बिल 14,000 करोड़ रुपए बढ़ जाता है। इजरायल-ईरान युद्ध भडक़ने से तेल की कीमतें करीब 7 फीसदी बढ़ चुकी हैं। निवेशक और तेल कंपनियां चिंतित हैं कि यह युद्ध कब तक चलेगा? समग्र तौर पर देखें, तो बीते कुछ सप्ताह के दौरान कच्चा तेल औसतन 10 डॉलर महंगा हुआ है। इसमें अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की 'टैरिफ नीति' का भी योगदान है। अमरीका अपने व्यापारिक साझेदारों को भी नहीं छोड़ता। बहरहाल तेल महंगा होता जाता है, तो कमोबेश भारत की जीडीपी पर 1.5 फीसदी तक का प्रभाव पड़ सकता है। अभी जो मुद्रास्फीति नियंत्रण में लग रही है, वह भी निश्चित रूप से बढ़ेगी। रुपया और भी कमजोर होगा। योजनाओं के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। होर्मुज के बंद होने से अतिरिक्त वक्त के साथ-साथ खर्च भी बढ़ेगा, लिहाजा युद्ध किसी भी देश के लिए फायदेमंद स्थिति नहीं है। ईरान और ओमान के बीच एक संकरा-सा जलमार्ग है-होर्मुज जलडमरूमध्य। भारत करीब दो-तिहाई कच्चा तेल और करीब 50 फीसदी प्राकृतिक गैस इसी रास्ते से आयात करता है। भारत अपनी 80 फीसदी से अधिक ऊर्जा-जरूरतों के लिए आयात पर ही निर्भर है, लिहाजा यहां कोई भी व्यवधान तेल की कीमतों, शिपिंग लागत और बीमा बढऩे का कारण बनेगा। भारत का पश्चिमी देशों को करीब 30 फीसदी निर्यात इसी रास्ते से किया जाता है। भारत का ईरान के साथ कारोबार 14,246 करोड़ रुपए और इजरायल के साथ 27,608 करोड़ रुपए का है। 2024-25 में भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का माल निर्यात किया था और 44.19 करोड़ रुपए का आयात किया। इजरायल को 2.15 अरब डॉलर का निर्यात और 1.61 अरब डॉलर का आयात किया। ईरान इस जलमार्ग को बंद करने की धमकी पहले भी दे चुका है और अब तो युद्ध के हालात हैं। होर्मुज से ही दुनिया के तेल-परिवहन का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान 33 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का उत्पादन करता है। एक फ्रेंच बैंक के मुताबिक, ईरान का तेल-निर्यात गिर कर 16 लाख बैरल प्रतिदिन हो गया है। उसकी उत्पादन क्षमता से बिल्कुल आधा उसका निर्यात हो गया है। यदि बाजार से यह सप्लाई भी हटा ली जाए अथवा युद्ध के कारण ऐसा करना पड़े, तो ओपेक अपने उत्पादन में कोई कटौती किए बिना ही 22 लाख बैरल रोजाना की क्षतिपूर्ति कर सकता है। मौजूदा हालात में विशेषज्ञों के आकलन हैं कि तेल की कीमतें 100 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं। यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के खिलाफएक मजबूत लहर की स्थिति होगी। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपनी हालिया रपटों में खुलासा किया है कि वैश्विक तेल की मांग घट सकती है, क्योंकि युद्ध के तनाव देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर डालेंगे। बहरहाल बुनियादी चिंताएं और सरोकार होर्मुज को बंद करने के मद्देनजर हैं। अमरीकी निवेशक संस्थानों के आकलन हैं कि इस रास्ते को बंद किया गया, तो भी तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक उछल सकती हैं। इन कीमतों का स्थानीय पेट्रोल पंपों पर कितना असर पड़ेगा, यह सरकार के फैसले पर है, क्योंकि कच्चा तेल सस्ता हुआ था, तो स्थानीय ग्राहकों को रियायत नहीं दी गई थी। आज भी पेट्रोल-डीजल के दाम 100 रुपए प्रति लीटर के करीब हैं। बहरहाल ईरान और इजरायल दोनों देशों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं। यह आर्थिक लहर वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है।

श्रम शक्ति के समक्ष बढ़ते तापमान का संकट

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आईएलओ की एक रिपोर्ट, 'कार्यस्थल पर गमी: सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए निहितार्थ' में पाया गया है कि गर्मी एक मूक हत्यारा है जो दुनिया भर में बढ़ती संख्या में श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन के लिए खतरा बन रही है। भारत मई से ही हीटवेव का सामना कर रहा है। उत्तर भारत के कई राज्यों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। ऐसा लग रहा है मानो आग बरस रही हो! मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग प्रति दशक 0.26 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ रही है। शहरों में जब लोग एसी के रिमोट से टेंपरेचर ऊपर-नीचे कर रहे होते हैं, उसी दौरान मजदूर कहीं खेत या किसी घर की दीवारों की ईंट उठाते हुए पसीना बहा रहे होते हैं। इस धधकते, तपते मौसम में औद्योगिक, निर्माण से लेकर रेस्तराओं और गोदामों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कार्य करना आसान नहीं है। हालांकि सबसे बड़ा संकट खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए है। देश की करीब 90 फीसदी श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी है। ज्यादातर मामलों में इन श्रमिकों को चिलचिलाती धूप, बारिश, आंधी-तूफान के बीच खुले में काम करना पड़ता है। उनके लिए न तो पर्याप्त सुविधाएं हैं और न ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम। ऐसे में इन किसानों, श्रमिकों को हर दिन अपना और अपने परिवार का पेट भरने के लिए खतरों से दो-चार होना पड़ता है। थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वायरनमेंट एंड वाटर यानी सीईईडब्ल्यू ने मई 2025 में एक स्टडी प्रकाशित की, जिससे पता चलता है कि भारत के 57 फीसदी ज़िले, जिनमें देश की लगभग 76 फीसदी आबादी रहती है, मौजूदा समय में भयानक गर्मी की चपेट में हैं।

लेबरिंग थ्रू द क्लाइमेट क्राइसिस' नाम से एक रिपोर्ट वर्कर्स कलेक्टिव फॉर क्लाइमेट जस्टिस - साउथ एशिया और ग्रीनपीस इंडिया ने तैयार की है जो असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की गर्मी से जुड़ी चिंताओं पर रोशनी डालती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की आमदनी में 19 फीसदी की कमी आती है और भीषण गर्मी उन्हें कठिन विकल्पों में से चुनाव करने को मजबूर करती है। यानी या तो वो खुद को सुरक्षित करने का जतन करें या आजीविका कमाएं। इस रिपोर्ट में ये भी रेखांकित किया गया है कि गर्मी सिर्फ़ आजीविका पर ही असर नहीं डालती बल्कि श्रमिकों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालती है। वन अर्थ द्वारा 2022 में 68 देशों में किए गए अध्ययन जिसका शीर्षक राइजिंग टेम्परेचर इरोड ह्यूमन स्लीप है, के अनुसार विश्व स्तर पर लोगों की नींद प्रभावित हुई, जिससे पता चला है कि गर्म तापमान की वजह से लोग कम नींद ले पाते हैं। बुजुर्ग, महिलाएं और कम आय वाले देशों के लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। 2099 तक, बढ़ता तापमान एक साल में प्रति व्यक्ति की 50-58 घंटे की नींद कम कर सकता है।

गर्मी की वजह से मजदूर दिन भर काम नहीं कर पा रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का रोजगार भी प्रभावित हो रहा है। आइएलओ की 2019 की रिपोर्ट 'वर्किंग ऑन ए वार्मर प्लेनेट:द्ध इम्पैक्ट ऑफ़ हीट स्ट्रेस ऑन लेबर प्रोडक्टिविटी एंड डिसेंट वर्क' में चेतावनी दी गई है कि भारत में हीट स्ट्रेस के कारण 2030 में 5.8 प्रतिशत काम के घंटे कम होने की उम्मीद है। अपनी बड़ी आबादी के चलते देश 2030 में 3.4 करोड़ लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ सकती हैं।

विश्व बैंक की 2022 की एक और रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि 2030 तक, पूरे भारत में सालाना 16 से 20 करोड़ से ज्यादा लोगों के घातक गर्मी की चपेट में आने की संभावना है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में 2000-2004 और 2017-2021 के बीच भीषण गर्मी के कारण होने वाली मौतों में 55 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। गर्मी की चपेट में आने से 2021 में भारतीयों के बीच 167.2 बिलियन संभावित श्रम घंटे का नुकसान हुआ। इसकी वजह से देश की जीडीपी के लगभग 5.4 प्रतिशत के बराबर आय का नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारतीय शहर जलवायु पैटर्न में होने वाली तब्दीलियों के प्रति तेजी से संवेदनशील होते जा रहे हैं, जिससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों को बड़ा खतरा है।

इस संदर्भ में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का हस्तक्षेप बेहद महत्वपूर्ण है। आयोग ने राज्यों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, बुजुर्गों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस वी. रामासुब्रह्मण्यन ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा भीषण गर्मी और लू के कारण होने वाली मौतों की रपट का संज्ञान ले और राज्यों को निर्देश दे।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ता तापमान एक ऐसी सच्चाई है जिसे आज चाह कर भी झुठलाया नहीं जा सकता। देखा जाए तो यह बढ़ता तापमान उन मेहनतकश लोगों का कहीं ज्यादा इम्तिहान ले रहा है जो कड़ी धूप और खुले आकाश तले पसीना बहाने को मजबूर हैं। इसकी पुष्टि अंतराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने अपनी नई रिपोर्ट 'इंश्योरिंग सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क इन चेंजिंग क्लाइमेट' में भी की है। रिपोर्ट का कहना है कि अपने जीवन में काम के दौरान किसी न किसी मोड़ पर 241 करोड़ श्रमिकों को भीषण गर्मी का सामना करने को मजबूर होना पड़ेगा। इसका मतलब है कि दुनिया के 71 फीसदी श्रमिक या तो बढ़ते तापमान की वजह से गर्मी की मार झेल रहे हैं या उन्हें अपने काम के दौरान कभी न कभी इसका सामना करना पड़ेगा।

एनसीआरबी की रपट के मुताबिक, 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण देश में 3798 लोगों की मौतें हुईं। मानवाधिकार आयोग ने राज्यों को जारी पत्र में लिखा है कि गर्मी और लू की लहरों के प्रभाव को कम करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए के दिशा-निर्देशों का प्रभावी तौर पर पालन करना चाहिए, ताकि संभावित नुकसान को रोका जा सके।

बहरहाल बीते कई वर्षों से प्रशासन ने मौसम की चरम स्थितियों में नियोक्ताओं के लिए कुछ सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मसलन-ऐसे तपतपाए दिनों में दोपहर 12.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक खुले में काम कराने पर रोक लगाई गई है। कामगारों के लिए छायादार जगह और ठंडा पेयजल भी होना अनिवार्य है। महानगरों और बड़े शहरों में बिजली की आपूर्ति पहले की अपेक्षा सुधरी है, लिहाजा काम करने की जगह भी पंखे की मौजूदगी होने लगी है, लेकिन गांव-कस्बों में अब भी घंटों बिजली के कट लगाए जा रहे हैं, वहां आम आदमी और कामगार दोनों ही परेशान हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुताबिक, अगर कोई एक चीज है जो हमारी विभाजित दुनिया को एकजुट करती है, तो वह यह है कि हम सभी को गर्मी का एहसास हो रहा है। पृथ्वी हर जगह, हर किसी के लिए गर्म और अधिक खतरनाक होती जा रही है। हमें बढ़ते तापमान की चुनौती का सामना करना चाहिए-और मानवाधिकारों के आधार पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा बढ़ानी चाहिए।

परमाणु हथियार नियंत्रण के लिए युद्ध

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाशचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है। इजरायल ने 13 जून, 2025 को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। सामरिक ठिकानों पर ये हमले संभावित खतरों को टालने के नजरिए से किए गए। इजरायल की सर्तकता यह रही कि उसने अपने खुफ्फिया संगठन 'मोसाद' के जरिए ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए। इधर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फ्लत: इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए। क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है ट्रंप की सहमति के बाद ही ईरान ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत यूरेनियम 235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है। दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति हैं, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमरीका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है।

एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है योग

डॉ. शंकर सुवन सिंह

मानव का प्रकृति से अटूट सम्बन्ध होता है। समाज प्रकृति की व्यवस्था पर टिका हुआ है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है - प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। मानव या व्यक्ति समाज की एक इकाई है। कई व्यक्तियों का समूह समाज कहलाता है। मानवता का एकीकृत होना ही एकात्म मानववाद है। मानवता एकता का प्रतीक है। एकता अखण्डता को दर्शाती है। योग भारत की अक्षुण्ण एकता का परिचायक है। शरीर और आत्मा का एकीकरण मानवता को जन्म देता है। योग शरीर को आत्मिक अनुभूति प्रदान करता है। स्व के साथ अनुभूति ही दर्शन कहलाता है। एकात्म मानववाद दर्शन का ही हिस्सा है।

एकात्म मानववाद विचारधारा के जनक/प्रस्तावक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी थे। एकात्म मानववाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शक दर्शन है। योग अपनेपन को विकसित करता है। अपनापन, अकेलापन को दूर करता है। अपनापन का शाब्दिक अर्थ है- आत्मीयता । आत्मीयता अर्थात अपनी आत्मा के साथ मित्रता। कहने का तात्पर्य- मनुष्य कभी अकेला नहीं होता है। मनुष्य जब नकारात्मक विचारों से ग्रसित होता है तो वह आत्मीयता अनुभव नहीं करता है। नकारात्मकता अकेलेपन को जन्म देती है। सकारात्मकता अपनेपन को जन्म देती है। अपनापन ही अकेलापन को दूर करता है। भीड़ में शामिल होने से हम अपने को अपने आप से अलग करते हैं ।भीड़ में शामिल होना अर्थात अपने को अपने आप से अलग करना हुआ। अलग होना आत्मीयता के लक्षण नहीं हैं। अपने आप को अपने से अलग करके कभी भी अकेलापन दूर नहीं किया जा सकता है। अतएव अपनी आत्मीयता को बनाए रखें। जिससे जीवन में अकेलेपन का अनुभव न हो। कोई भी व्यक्ति इस धरती पर अकेला नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति भौतिक रूप से भौतिक संसाधनो व चारो ओर के आवरण से घिरा हुआ है। देखा जाए तो भौतिक रूप से भी व्यक्ति अकेला नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि कोई भी व्यक्ति न तो आध्यात्मिक रूप से अकेला है और न ही भौतिक रूप से। योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है। योग रोग को खत्म करता है। अयोग्य वह है जो असंतुलित है। असंतुलन आलस्य की निशानी है। आलसी व्यक्ति असंतुलित होता है। अयोग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए अनुपयुक्त होता है।

योग आलस्य और प्रमाद को दूर कर व्यक्ति को संतुलित करता है। संतुलन कर्मठता की निशानी है। योग्य व्यक्ति किसी भी कार्य के लिए उपयुक्त होता है। योग व्यक्ति को योग्य बनाता है। ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण ग्रन्थ में चरैवेति शब्द का उल्लेख मिलता है। चरैवेति अर्थात चलते रहना, रुकना नहीं। हर स्थिति और परिस्थिति में आगे ही आगे बढ़ते चलने का नाम जीवन है। जिस प्रकार बहते हुए जल में पवित्रता बनी रहती है उसी प्रकार निरंतर चलने वाले व्यक्ति में कर्मठता बनी रहती है। अयोग्यता ठहराओ के सिद्धांत पर आधारित है। अयोग्य व्यक्ति ठहरे हुए जल के समान है जबकि योग्य व्यक्ति बहते हुए जल के समान है। योग आंतरिक शांति या मन की शांति बनाए रखता है, जो मानव जीवन का अंतिम लक्ष्य है। योग से शांति, सामंजस्यता और शालीनता का विकास होता है। योग आत्मनिर्भरता के मार्ग को प्रशस्त करता है। आत्मनिर्भरता, रामराज्य की परिकल्पना पर आधारित है। हिन्दू संस्कृति में राम द्वारा किया गया आदर्श शासन रामराज्य के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है । 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम/प्रसंग है- एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य। अर्थात पृथ्वी पर बसने वाले सभी मानव स्वस्थ्य हो और उनकी काया निरोगी हो। योग का स्वास्थ्य से घनिष्ठ सम्बन्ध है। योग से शरीर में नवीन ऊर्जा का संचार होता है। यही नवीन ऊर्जा हमारे शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण करती हैं। शरीर को पुनर्निर्मित करने का काम योग का है। योग से एकात्म मानववाद का विस्तार होता है। अतएव योग वसुधैव कुटुंबकम (पूरा विश्व एक परिवार है) के दर्शन को फ्लीभूत करता है। योग से पूरा विश्व स्वस्थ्य होगा। एक स्वस्थ्य विश्व ही विश्व की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा। अत: यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि पूरे विश्व का स्वास्थ्य वैश्विक सम्पदा का आधार है। एक स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क नशे जैसी आदतों से दूर रहता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क स्वस्थ्य समाज की रीढ़ है। मानवता स्वस्थ्य मस्तिष्क में ही जन्म लेती है। एकात्म मानववाद की विचारधारा पूरे विश्व को मानवता का पाठ पढ़ाती है। यदि पूरे विश्व की मानवता एक साथ एक मंच पर खड़ी हो जाए तो विश्व स्वर्ग हो जाएगा। इस्राइल- ईरान और रूस- यूक्रेन युद्ध अस्वस्थ्य विचारधारा का परिणाम है। मानवता जंग करना नहीं सिखाती। मानवता मानव के साथ प्रेम करना सिखाती है। एकात्म मानववाद एक स्वस्थ्य विचारधारा है। अतएव हम कह सकते हैं कि योग, एकात्म मानववाद का संदेशवाहक है।

संक्षिप्त समाचार

उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सांकरा-पाटन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में कार्यक्रम आयोजित

पाटन। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2025 को उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत योग दिवस मनाया गया इसके मुख्य अतिथि हितेश कुमार तिवारी योग विशेषज्ञ एवं सहयोगी पटेल जी रहे,कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग के माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर (डॉ) रवि आर सक्सेना, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव आर एल खरे,एवं उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.अमित दीक्षित ने योग के महत्व को बताएं ,माननीय कुलपति महोदय ने योग के लाभ एवं जीवन शैली पर इसका सकारात्मक प्रभाव के बारे में बताएं.कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ गागेन्द्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ कार्यक्रम में विश्वविद्यालय,महाविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे

सावरकर सम्मान यात्रा के दौरान अभिनव भारत पार्टी की बैठक आयोजित

प्रकाश नारायण शुक्ल बने छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक

राजनांदगांव। अभिनव भारत पार्टी की सावरकर सम्मान यात्रा के रायपुर आगमन पर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चेतन शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री ममता झा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक के दौरान रायपुर निवासी प्रकाश नारायण शुक्ल (बाबा) को अभिनव भारत पार्टी का छत्तीसगढ़ प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया। यह निर्णय गहन विचार-विमर्श एवं कार्यकर्ताओं की सर्वसम्मति के बाद लिया गया। पार्टी अध्यक्ष चेतन शर्मा ने श्री शुक्ल को शीघ्र ही प्रदेश कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को जमीनी स्तर तक विस्तार देने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि सावरकर विचारधारा पर आधारित अभिनव भारत पार्टी राष्ट्र निर्माण में एक सशक्त भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत कर आने वाले समय में हर पंचायतए ब्लॉक और जिले तक पार्टी की पहुंच बनाने की योजना है। बैठक में शामिल छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं ने प्रकाश नारायण शुक्ल के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास जताते हुए हर्ष व्यक्त किया और कहा कि उनके मार्गदर्शन में प्रदेश संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने और संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया। बैठक का समापन उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता के साथ किया गया।

संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड का 540 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 25 जून, 2025 को खुलेगा

रायपुर : संभव स्टील ट्यूब्स लिमिटेड (संभव या कंपनी) अपनी इक्विटी शेयरों की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश के संबंध में बुधवार, 25 जून 2025 को अपना बोली/प्रस्ताव खोलेगी। कुल 5400 मिलियन रुपये [540 करोड़ रुपये] मूल्य के इक्विटी शेयरों का यह प्रस्ताव 4400 मिलियन रुपये [440 करोड़ रुपये] के नए निर्गम और 1000 मिलियन रुपये [100 करोड़ रुपये] के बिक्री प्रस्ताव (कुल प्रस्ताव आकार) से मिलकर बना है। एंकर निवेशक बोली की तिथि मंगलवार, 24 जून 2025 होगी। बोली/प्रस्ताव बुधवार, 25 जून 2025 को सदस्यता के लिए खुलेगा और शुक्रवार, 27 जून 2025 को बंद होगा। प्रस्ताव का प्राइस बैंड 77 रुपये से 82 रुपये प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित किया गया है। बोली न्यूनतम 182 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 182 के गुणकों में लगाई जा सकती है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया ऋणों के पूर्व-भुगतान या अनुसूचित पुनर्भुगतान के लिए तथा शेष राशि को सामान्य कॉर्पोरेट कार्यों के लिए उपयोग में लाएगी।

दिव्यांग शिविर का आयोजन, 100 का किया जांच 53 को प्रमाण पत्र के लिए पात्र किया गया

जामगांव (एम) :- विगत दिवस समाज कल्याण एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जामगांव एम में दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अतिथि के रूप में श्रीमती नीलम राजेश चंद्राकर सभापति जिला पंचायत दुर्ग, श्रीमती कीर्ति नायक अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन श्री राजेश चंद्राकर सांसद प्रतिनिधि, श्रीमती तुलसी सिन्हा सरपंच ग्राम पंचायत जामगांव (एम) की उपस्थिति में संपन्न हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर अरुण कटारे अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर पीयूष देवांगन मेडिसिन विशेषज्ञ, डॉक्टर विजेता डोंगरे शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर अल्पना अग्रवाल नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अविनाश नाक कान गला रोग विशेषज्ञ श्रीमती बी एल वर्मा श्रीमती चंद्रकांता साहू, समाज कल्याण विभाग से श्रीमती भूमिका गोपाल समाज शिक्षा समन्वयक श्री आलोक सिंह ठाकुर श्रीमती भूपेश्वरी

साहू कु आभा सिंह, श्री रजनीश श्री सेवक राम वर्मा करारोपण अधिकारी श्री हालदार देवांगन करारोपण अधिकारी श्रीमती सुनीता दीवान सचिव ग्राम पंचायत जामगांव (एम) श्रीमती रेशमा यादव, श्रीमती रानू नागरिया श्री भूपेंद्र मार्टिन श्री समीर निषाद उपस्थित रहे।

शिविर में अस्थि बाधित के 70 आवेदन पंजीकृत किए गए इसमें 43 पात्र तथा 24 को जिला अस्पताल रेफर किया गया, नेत्र बाधित में दो पंजीकृत किया गया जिसमें एक पात्र तथा एक दुर्ग रेफर किया गया श्रवण बाधित के 11 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 11 को दुर्ग रेफर किया गया मानसिक रोग के 11 पंजीकृत किए गए इसमें आठ पात्र तथा एक अपात्र पाया गया दो को जिला रेफर किया गया सिकलिन के छह प्रकरण पंजीकृत किए गए इसमें एक पात्र एक अपात्र तथा चार को जिला अस्पताल रेफर किया गया इस प्रकार शिविर में कुल 100 दिव्यांग हितग्राहियों का परीक्षण किया गया इसमें 53 हितग्राहियों का प्रमाण पत्र के लिए पात्र पाया गया।

कामाख्या मंदिर में 22 जून से पांच दिवसीय अंबुवाची योग पूजा

26 को माता की पालकी यात्रा और तांत्रिक मंच्चोचार के साथ हवन

रायपुर । राजधानी में गुवाहटी मां कामाख्या मंदिर के तर्ज पर हर साल 22 से 26 जून तक अंबुवाची योग पूजा की जाती है। देवेंद्र नगर नारायणा अस्पताल रोड फोकटपारा में स्थित । मंदिर की स्थापना 58 साल पहले मां कामाख्या के उपासक आचार्य पं. हीरेंद्र विश्वकर्मा ने की । माता स्वयंभू प्राक्टय है। कोपटपारा स्थित कामाख्या मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी 22 जून से 26 जून तक पांच दिवसीय अंबुवाची पूजा होगी । 22 जून को विधि विधान से गणेश , कच्छप, गौरी गणेश कलश, नौ कलश चक्र, नवग्रह, चर्तुदिक शिवलिंग, चौसठ योगिनी, षोडशमातृका, सप्तघृत मातृका, क्षेत्रपाल चक्र, वास्तु चक्र, पंच लोकपाल, दस दिगपाल की गुवाहटी मंदिर की तरह पूजा होगी। 22 जून को मां कामाख्या की पूजा अर्चना के बाद तीन दिन पट बंद हो जाएगी। उन्होंने बताया कि 22, 23 और 24 जून को जसगीत , दुर्गा सप्त सती पाठ, सुंदर कांड का पाठ होगा। वहीं 25 जून की रात माता कामाख्या का पट खोला जाएगा। माता का षोडषोउचार के साथ स्नान के बाद भव्य श्रृगार होगा। 26 जून को मां कामाख्या मंदिर में दोपहर 1 बजे हवन के बाद कलश के साथ माताएं कलशयात्रा के रूप में माता के रथ के आगे -आगे चलेंगी। माता की पालकी रथ में 5 घोड़े के साथ निकलेगी जो फोकटपारा से होते हुए देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र से होते हुए वापस मंदिर में पहुंचेगी।इसके बाद कुंवारी कन्या पूजन होगा, माता स्वरूप में विराजित माता का पूजन होगा। उसके साथ जितनी में छोटी कन्या होगी उनका भी माता स्वरूप में पूजन होगा। उसके बाद माता को भोग लगाया जाएगा। प्रसादी वितरण होगा। मंदिर में इस मंदिर में देश-प्रदेश के बड़े-बड़े राजनेता, समाजसेवी और सामान्यजन माथा टेक कर मनोरथ की सिद्धि प्राप्त किए है। गुवाहटी की तरह ही पांच दिवसीय अंबुवाची योग पूजा में माता कामाख्या की तांत्रिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन हो रहा है। इस मंदिर की विशेषता यहीं है कि यहां जो भी आया वो खाली हाथ नहीं लौटा है। मंदिर प्रबंधन समिति ने समस्त श्रद्धालुओ् से अपील की है कि इस अंबुवाची पूजा में शामिल होवे और हवन में पांच-पांच आहूति देकर अपनी मनोरथ सिद्धि और् मनोकामना पूर्ण करें।

11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया

किरंदुल: 21 जून 2025, शनिवार को नगर पालिका कार्यालय के पास निर्मित शेड में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह और चेयरमैन शशि भूषण महापात्र ने अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ योग कार्यक्रम में हिस्सा लिया।कार्यक्रम में अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रतिदिन योग करने की सलाह दी।बता दें कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत 2015 में भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को इस दिवस के रूप में मान्यता देने के साथ हुई थी। तब से यह दिवस विश्वभर में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष 11वें योग दिवस के उपलक्ष्य में किरंदुल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह, सीएमओ शशि भूषण महापात्र, सभी पार्षद, पालिका उप अभियंता तीरथ राम सिंह, नगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पाटन में योग संगम एवं हरित योग की थीम पर आयोजित की गई 11वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस

पाटन : नगर पंचायत पाटन में योग संगम एवं हरित योग की थीम पर आज 11वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस , बालक आत्मानंद विद्यालय पाटन में सुबह 7 बजे से कार्यक्रम अयोजित की गई जिसमें योग प्रशिक्षक श्रीमती ईश्वरी धीवर एवं श्री मति रश्मि मिश्रा जी द्वारा योग एवं प्राणायाम कराया गया, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले जी ने नियमित रूप से योग करने एवं अपने जीवन में लाने की बात कही, योग शरीर, मन और आत्मा को एकाग्रचित्त करने का वह प्रभावी माध्यम है, जिससे न सिर्फशरीर बल्कि मस्तिष्क भी स्वस्थ होता है। यह विश्व को भारत द्वारा दी गई एक अमूल्य धरोहर है, जिसे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री ह्ड्डह्द्दठ्ठस्त्रह्ड्ड स्श्वस्त्रद्ब जी ने पूरी दुनिया में पहुँचाने का काम किया है। प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से आज 'योग' पूरे विश्व में लोगों की जीवन शैली बन चुका है।

यह दिवस न केवल योग के महत्व को समझने का अवसर है, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लेने का भी दिन है।

योग न केवल हमें रोगों से बचाता है, बल्कि हमारे भीतर ऊर्जा, एकाग्रता और आत्म-शक्ति भी विकसित करता है।

योग प्रशिक्षकों को नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले जी द्वारा शील्ड,साल ,श्रीफल से सम्मानित भी किया गया, कार्यक्रम में नगर पंचायत पाटन सीएमओ हेमंत वर्मा, इंजीनियर अर्जुन निर्मल , विद्यालय के प्राचार्य वेलेंटीना मसीह नगर पंचायत उपाध्यक्ष निशा सोनी, नगर पंचायत पाटन सभापति केवल देवांगन, पार्षद जीतू निर्मलकर, पार्षद जयप्रकाश देवांगन, पार्षद देवेंद्र ठाकुर, पार्षद संगीता धुरंधर, पार्षद अन्नपूर्णा पटेल, पाटन मंडल अध्यक्ष श्रीमति रानी बंछोर, अखिलेश मिश्रा,केशव बंछोर, बब्बू भाले ,भास्कर सवर्णी,पत्रकार गंगादीन साहू मिलन देवांगन, विजय बंछोर , छविश्याम देवांगन आत्मानंद बालक विद्यालय के बच्चे ,शिक्षक सहित पाटन नगर के नागरिक एवं समस्त नगर पंचायत पाटन के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

अनुकम्पा नियुक्ति को मिली स्वीकृति, कर्मचारियों के हित में महंगाई भत्ते में वृद्धि

रायपुर/ छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज़ कॉरपोरेशन लिमिटेड (नागरिक आपूर्ति निगम) के नव नियुक्त अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में निगम मुख्यालय, नवा रायपुर में संचालक मंडल की 95वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में निगम कर्मचारियों के हित में कई निर्णय लिए गए। वर्षों से लंबित अनुकम्पा नियुक्ति के विषय पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्य करते हुए निगम के पांच दिवंगत सेवायुक्तों के आश्रित परिजनों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय संबंधित परिवारों के लिए न केवल राहत का माध्यम बनेगा, बल्कि उनके जीवन को स्थायित्व देने वाला भी सिद्ध होगा। बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लेखों का अंतिमीकरण कर वित्तीय पत्रकों को अनुमोदित किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नागरिक आपूर्ति निगम के बजट का संचालक मंडल द्वारा अनुमोदन किया गया। बैठक में मार्च 2025 से शासन द्वारा घोषित महंगाई भत्ते में वृद्धि को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इससे निगम के समस्त कर्मचारियों में हर्ष का वातावरण बना और उन्होंने इस निर्णय हेतु अध्यक्ष एवं संचालक मंडल के प्रति आभार व्यक्त किया।

दुर्ग जिला के सभी 123 अमृत सरोवर में योग दिवस मनाया, पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पाटन (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूर्ण करने के उपलक्ष्य में दिनांक 21.06.2025 को सभी ग्राम पंचायतों के विभिन्न स्थलों सामुदायिक हॉल, शाला मैदान, अमृत सरोवर स्थल एवं पंचायत भवन के समीप समय प्रातः 6:30 बजे से प्रातः 7:45 तक आयोजित किया गया ।

प्रतिभागियों की आवश्यक निर्देष दिया गया व्यवस्था के साथ ही आयुष विभाग योग प्रशिक्षकों की उपस्थिति में किया गया ।।

श्री बजरंग कुमार दुबे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि जिले अमृत सरोवर बनाया गया पूर्व जिले में कुल 123 ब्लाक धमधा 50, ब्लाक दुर्ग 36 एवं पाटन 37 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया इस वर्ष 7 अमृत सरोवर निर्माण किया जा रहा हैं

जनपद पंचायत पाटन प्रांगण में योगा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

हरित योग थीम अंतर्गत अभिजीत पठारे सर (द्बह्स)एवं ह्यस्त्रद्ब लवकेश ध्रुव द्वारा पौधरोपण तथा पौधा वितरण किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने प्रधानमंत्री जी के सन्देश का वाचन किया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, अन्य जनप्रतिनिधि तथा जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे अमृत सरोवर में योग दिवस पर की जानी वाली विशेष गतिविधियाँ का निर्देष प्रातः काल योग सत्र - सरपंच, पद्म श्री पुरूस्कार प्राप्तकर्ता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिवार के सदस्य, स्थानीय सरकारी अधिकारी और अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के साथ, समस्त ग्रामवासियों, स्कूल के बच्चों, स्व सहायता समूहों, और प्रकृति प्रेमियों के साथ योगा किया जावेगा वही ग्रामीणों हरित संकल्प जल स्त्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण का संकल्प लिया गया है,' बडी संख्या में वृक्षारोपण ''एक पेड़ माँ के नाम'' मुहिम के तहत पौधारोपण करें, ग्रामीण के माध्यम से श्रमदान अमृत सरोवर के आसपास सफाई और सौंदर्यीकरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम-जल, प्रकृति और अध्यात्म से जुड़ी कहानियाँ और चर्चा किया गया जन भागीदारों का प्रकार-स्कूली छात्र, ग्रामीण स्व सहायता समूह के सदस्य प्रतिभागियों को उपस्थित रहे

अमृत सरोवर तालाब के पास जनपद उपाध्यक्ष,ह्यस्त्रद्ब ह्यद्बह्, ष्टश्वह्र ह्यद्बह् ,ड्डस्त्रस्द्ब ष्द्भश द्बड्डद्ब, कार्यक्रम अधिकारी की उपस्तिथि में योग दिवस मनाया गया एवम एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र निर्माण हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र निर्माण की प्रक्रिया को सरल, प्रभावी एवं समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए विशेष पहल की है। उन्होंने आदेश जारी कर अपर कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर उपलब्ध कराने हेतु कार्ययोजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगी।

बेटे को जेल से छुड़ाने की बात कहकर पिता को लें गए दुर्ग कोर्ट, कोर्ट परिसर से ही नगदी, बाइक मोबाइल लेकर दोनों युवक फरार

पाटन। पाटन ब्लॉक के ग्राम रवेली के रहने वाले नंदन यादव ठगी के शिकार हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक नंदन यादव पाटन थाना के ग्राम रवेली में निवास करते हैं । उनके पास दो युवक आए और नंदन यादव के ही गाड़ी से उसे दुर्ग कोर्ट ले जाने के लिए बोले। दोनों युवकों ने कहा कि तुम्हारा बेटा जो जेल में है उसकी आज रिहाई हो जाएगी उसे लाने के लिए जाना है। इस पर नंदन यादव दोनों युवकों के साथ दुर्ग कोर्ट चले गए। वहां पर गाड़ी पार्किंग में गाड़ी खड़ी करके नंदन यादव के मोबाइल एवं नगदी पैसे और गाड़ी को पार्किंग में ही छोड़ने की बात कह कर वे दोनों युवक गाड़ी के पास ही रहे। पार्किंग से ही कोर्ट परिसर की तरफइशारा करके किसी से मिलने के लिए बोला। जब तक नंदन यादव वापस आए तब तक उक्त जगह से उसके बाइक लेकर युवक फरार हो गए थे। साथ ही साथ उनका मोबाइल और ?1500 नगद भी ले गए। दुर्ग में ही भारतीय जनता पार्टी के उत्तर पाटन मंडल के अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर भी अपने कार्य से गए थे। वहां पर नंदन यादव को देखा तो उन्होंने पूछा तब सारी बातें नंदन यादव ने कमलेश चंद्राकर को बताई तब कमलेश चंद्राकर ने आवेदन लेकर कोतवाली थाना पहुंचे यहां पर सबसे पहले तो एफ आई आर लिखने के लिए बोला गया लेकिन वहां एफआई आर नहीं लिखा । पीड़ित का आवेदन को लिया लेकिन आवेदन का पावती भी नहीं दिया गया है । मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर ने बताया कि पीड़ित ग्रामीण को न्याय मिले इसके लिए पुलिस को तत्काल एफआईआर दर्ज कर पता साजी किया जाना चाहिए।

बिजनेस लीडर्स दुखद हादसे के बाद एयर इंडिया के साथ खड़े

रायपुर : अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास 12 जून को हुए बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर दुर्घटना में 275 लोगों की जान चली गई। इस त्रासदी के बाद, जहां काफी लोग एयर इंडिया के लिए सवाल उठा रहे थे वहीं जाने-माने बिज़नेस और एविएशन लीडर्स एयर इंडिया का बचाव करने के लिए सामने आए हैं। लंदन गैटविक जाने वाली यह फ्लाइट उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई, और इस घटना ने टाटा ग्रुप की इस एयरलाइन के लिए इंडस्ट्री में पहले कभी न देखी गई एकजुटता दिखाई है। कैप्टन किशोर चिंता, जो पहले भारत के एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो के एक अनुभवी जांचकर्ता रह चुके हैं, ने इस घटना की असाधारण प्रकृति के बारे में अहम जानकारी दी। चिंता ने बीबीसी को बताया कि यह दुर्घटना विमानन में सबसे दुर्लभ से दुर्लभतम परिस्थितियों में से एक है। उन्होंने जोर देकर कहा, मेरी जानकारी में, ऐसा पहले कभी कुछ नहीं हुआ।

इंडसइंड बैंक को वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा डिजिटल भुगतान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया

मुंबई : इंडसइंड बैंक को भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा डिजिटल पेमेंट्स अवार्ड 2023-24 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान बैंक को वित्त वर्ष 2023-24 में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए, निजी क्षेत्र के बैंकों में तीसरा स्थान प्राप्त करने पर मिला है। यह समारोह 18 जून 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं, और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी विशिष्ट अतिथि रहे। यह पुरस्कार इंडसइंड बैंक की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने और देशभर में करोड़ों लोगों को सुरक्षित, सुलभ और नवीन डिजिटल भुगतान समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

योग से ही संभव है – एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य

शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बैहाकापा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग संगम कार्यक्रम का आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) मुंगेली जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत बैहाकापा, 21 जून 2025 को जहाँ योग, वहाँ निरोग — इसी भावना को साकार करते हुए शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बैहाकापा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य की वैश्विक थीम पर आधारित सामूहिक योग संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक प्रार्थना एवं ध्यान से हुई, जिसके पश्चात होशलाल रात्रे के मार्गदर्शन में प्राणायाम, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाती, सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगाभ्यासों का क्रियान्वयन किया गया। उन्होंने कहा, योग तन, मन और आत्मा का सामंजस्य है — यह न केवल शरीर को स्वस्थ बनाता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, संतुलन और सकारात्मकता लाता है।

प्राचार्य डॉ. श्याम लाल राय ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। नियमित योग अभ्यास से हम न केवल स्वयं को, बल्कि समाज और पर्यावरण को भी सशक्त बना सकते हैं। 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का मंत्र तभी साकार होगा जब हर व्यक्ति योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाए।

इस आयोजन में शाला के शिक्षकगण ङ्क श्यामचरण जांगड़े, कामेश्वर प्रसाद ओगरे, सनत कुमार बंजारे, साधना साहू, जयश्री तिवारी, प्रतीक्षा वैष्णव, हरिशंकर वर्मा, अश्वनी भारद्वाज, संगीता पटेल, परमानंद शर्मा सहित प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के सभी शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएं और उनके पालकगण उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।आयोजन की थीम: एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य

उद्देश्य: शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण का संवर्धन

गतिविधियाँ: कॉमन योग प्रोटोकॉल पर आधारित योगाभ्यास

संदेश: योग करें, निरोग रहें, योग: स्वस्थ जीवन की कुंजी- कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्रतिभागियों ने इस आयोजन को प्रेरणादायक, अनुकरणीय और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। सभी ने योग को नियमित जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया — योग, पर्यावरण और मानवता का साझा सूत्र है।

स्वस्थ शरीर के लिए योग आवश्यक है –संयोगिनी रामटेके

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी--अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोथली धमतरी में योग,प्राणायाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया ,जिसमें विद्यालय की प्राचार्य संयोगिनी रामटेके ,सरपंच शिवरात्रि ध्रुव, सेवानिवृत शिक्षक गूहलेद सन्हरा के मार्गदर्शन में वृक्षासन, ताड़ासन ,भ्रामरी,मंडूकासन ,पर्वतासन ,भुजंगासन,सर्वांगासन ,प्राणायाम, अनुलोम विलोम ,सूर्य नमस्कार, सुखासन आदि को बड़े ही विस्तार से बताया एवं उनके लाभों से भी अवगत एल. एन. शांडिल्य सर ने कराया तथा विद्यालय के सभी विद्यार्थी गण ,स्काउट गाइड ,राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, यूथ क्लब, रेड क्रॉस के सदस्य तथा विद्यालय स्टाफ गणेश प्रसाद साहू रासेयो कार्यक्रम अधिकारी, एल. एन. साहू ,राकेश साहू ,धनंजय सोनकर ,रामशरण मिश्रा, गोविंद सिंहा ,विनोद ध्रुव , डोमन ध्रुव, उमाकांत साहू ,मंजूषा साहू, रेखा देहारी, रेणुका ध्रुव, स्वाति सोरी ,दीप्ति शुक्ला, दुर्गा साहू ,किशोरी कश्यप ,विमला साहू ,लखनतीन तथा ग्रामीण जन एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

रानीतराई महाविद्यालय में प्रवेश प्रारंभ

रानीतराई। शासकीय महाविद्यालय रानीतराई में दिनांक 16 जून 2025 से प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। विद्यार्थी जिन्होंने 12वीं की परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ली हैं एवं ङ्क, ङ्कस्, ङ्कष्टश्व जैसे विषयों में प्रवेश लेना चाहते हैं वे हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग की वेबसाइट से ऑनलाइन फॉर्म भर, कार्यालय समय में उपस्थित होकर महाविद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं। प्राचार्य डॉ.अरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर कक्षाएं संचालित की जा रही हैं जिसमें विद्यार्थी अपने इच्छा अनुसार दूसरे संकायों के विषय का भी चयन कर सकते हैं एवं प्रवेश पश्चात विभिन्न गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। महाविद्यालय में ह्रस्ह्र इकाई भी संचालित है जिसमें विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व का विकास एवं समाज सेवा की भावना सीख सकते हैं। महाविद्यालय में भौतिकी की सहायक प्राध्यापक सुश्री भारती गायकवाड ने बताया कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी फोन के माध्यम से अथवा महाविद्यालय में स्वयं उपस्थित होकर प्रवेश से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं।

पाटन अस्पताल में। स्टॉप डायरिया अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

पाटन। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में आज स्टाप डायरिया अभियान के संबंध में रोकथाम और उपचार बचाव निदान के संबंध में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ओर ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका ओर फील्ड कस्वास्थ्य सुपरवाइजर ओर एल एच व्ही ओर विकास खंड विस्तार प्रशिक्षक अधिकारी को खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यशाला आयोजित किया गया खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया ने कहा कि वर्षा ऋतु में मौसमी बीमारियों का प्रसारण होता है इसमें उल्टी दस्त भी अस्वच्छता ओर खान-पान की गड़बड़ी के कारण से होती है खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया ने कहा कि ओ आर एस ओर जिंक टेबलेट 14 दिन तक उल्टी दस्त में अनिवार्य लेना चाहिए क्योंकि उल्टी दस्त से शरीर पानी ओर पोषक तत्व बाहर निकल जाते हैं उल्टी दस्त में स्वच्छता का बड़ा रोल है शहरी बी ई ईटीओ सैय्यद असलम ने कहा हर व्यक्ति को शौच करने के बाद ओर खाने से पहले साबुन से हाथ धोना को व्यवहारिक रूप से अपनी जीवन शैली में शामिल करना चाहिए खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ भुनेश्वर कठौतिया ने बताया कि स्टाप डायरिया अभियान में शून्य से 5 वर्ष बच्चों को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है बार बार दस्त करने से बच्चा सुस्त पड़ जाता है मां को अपना दूध हर समय पिलाना है ओ आर एस का घोल हर दस्त के बाद देना चाहिए सब्जियों ओर फलों को पानी से अच्छी तरह धोकर पाकना चाहिए बैगा गुनिया ओर झोलाछाप डॉक्टरों से उपचार ओर झाड़ फूंक से बचना चाहिए क्योंकि उल्टी दस्त का सही इलाज शासकीय अस्पतालों ओर मान्यता प्राप्त चिकित्सक की देखभाल में करवाया चाहिए पानी क्लोरिनेशन ओर उबालकर ठंडा करके इस्तेमाल करना चाहिए कार्यक्रम में बी ई ईटीओ सैय्यद असलम स्वास्थ्य सुपरवाइजर उतम मधुकर एल एच व्ही श्रीमती सुमित्रा बोकासे, देवकी सिंहा,सजय मिश्रा,आर के बंजारे, भारती यदु,प्रेम राजकुमारी, जीवन यादव, ए देश लहरें, चित्रलेखा देवांगन श्रीमती मधुलता लाल सहित स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त प्रधान पाठकों को संकुल परिवार ने दी सम्मानजनक विदाई

मुंगेली (समय दर्शन) संकुल केंद्र कोदवाबानी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शालाओं के दो वरिष्ठ प्रधान पाठकों के सेवानिवृत्त होने पर संकुल परिवार द्वारा एक गरिमामय विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला कोदवाबानी के प्रधान पाठक कलेश्वर सिंह ध्रुव एवं शासकीय प्राथमिक शाला मुढ़िया के प्रधान पाठक मंतराम ध्रुव को भावभीनी विदाई दी गई।

संकुल प्रभारी कृष्ण कुमार नवरंग ने अपने उद्बोधन में ग्राम पंचायत के सरपंच से शिक्षक बनने तक की यात्रा को याद करते हुए, शिक्षा के क्षेत्र में उनके समर्पण और योगदान को सराहते हुए कहा कि ऐसे शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं। उन्होंने दोनों सेवानिवृत्त प्रधान पाठकों की सेवा-यात्रा, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन को स्मरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

विदाई समारोह में सभी शिक्षकों ने एक स्वर में दोनों शिक्षकों के दीर्घ कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को याद किया। इस अवसर पर संकुल परिवार की ओर से शाल, श्रीफल, पेन एवं डायरी भेंटकर उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन झाडूराम साहू द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे—

संकुल समन्वयक पवन कुमार कश्यप प्रधान पाठक, पूर्व माध्यमिक शाला कोदवाबानी संजय कुमार पाण्डेय प्रधान पाठकगण: लखनलाल साहू (खुर्सी), दिलीप कुमार ध्रुव (कोदवाबानी), नारायण प्रसाद साहू (निपनिया), संतोष लहरे (मुढ़िया)

शिक्षकगण: संतोषी पांडेय, जमुना भास्कर, कु. रोशनी सोनी, झाडूराम साहू, केशव यादव, द्विपेश जायसवाल, कमलेश पटेल, लालाराम निर्मलकर, ब्रजेश पांडेय, दीवानदास भास्कर आदि।

सभी उपस्थितजनों ने भावभीनी विदाई दी और उनके स्वास्थ्य एवं सुखद भविष्य की कामना की। समारोह के अंत में स्मृतियों से भरा माहौल सभी को भावुक कर गया।

योग दिवस पर एक पेड़ मां के नाम, दो पेड़ वसुंधरा के नाम अभियान के साथ शासकीय प्राथमिक शाला बछेरा में मनाया गया विश्व योग दिवस

मुंगेली (समय दर्शन) मुंगेली जिला अंतर्गत ग्राम पंचायत बछेरा, में 21 जून 2025 ङ्कको अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला बछेरा में लक्ष्मीकांत जड़ेजा, सहायक शिक्षक द्वारा योग का महत्व समझाते हुए विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को भारतीय योग की मूल अवधारणा से अवगत कराया गया। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम, दो पेड़ मां वसुंधरा के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत योग अभ्यास से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लक्ष्मीकांत जड़ेजा ने बताया कि योग आत्मा और परमात्मा के मध्य एकता स्थापित करने का माध्यम है। यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की प्राप्ति पर केंद्रित है। योग का उद्देश्य आत्म-जागृति, आत्म-नियंत्रण और मोक्ष की ओर ले जाना है। उन्होंने पतंजलि के योग सूत्र का उल्लेख करते हुए बताया कि योग का अर्थ है चित्तवृत्ति निरोध यानी मन की चंचलताओं पर नियंत्रण।

योग के प्रमुख अंगों के रूप में उन्होंने समझाया:

यम और नियम - नैतिक जीवनशैली जैसे अहिंसा, सत्य, संतोष

आसन - शारीरिक व्यायाम जो स्वास्थ्य और लचीलापन बढ़ाते हैं

प्राणायाम - श्वास पर नियंत्रण द्वारा प्राण ऊर्जा का संतुलन

ध्यान और समाधि ङ्क आत्मचिंतन और आत्म-साक्षात्कार की अवस्था

उन्होंने विद्यार्थियों को करें योग, रहें निरोग का नारा भी दिया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। पौधारोपण में प्रधानपाठक जागेश्वर साहू, सहायक शिक्षिका विमलेश्वरी यादव सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर एक पेड़ मां के नाम, दो पेड़ वसुंधरा के नाम भावना से पौधे लगाए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को फल एवं चॉकलेट वितरित किए गए और मध्यान्ह भोजन कराया गया। योग दिवस पर सभी बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरे विद्यालय परिवार का योगदान सराहनीय रहा।

खबर-खास

ग्राम कसेरु में ग्रामीणों की मिसाल: अपने निस्तारी तालाब की स्वयं की साफ-सफाई कर दिखाया जनभागीदारी का उदाहरण

गरियाबंद। जिले के दूरस्थ ग्राम कसेरु के ग्रामीणों ने स्वच्छता और सामूहिक प्रयास की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। जहां एक ओर कई गांव विकास कार्यों के लिए सरकार की ओर टकटकी लगाए रहते हैं,वहीं ग्राम कसेरु के लोगों ने मानसून पूर्व अपने प्रमुख निस्तारी तालाब की सफाई का जिम्मा स्वयं उठाकर यह साबित कर दिया कि जब जनता जागरूक होती है, तब परिवर्तन स्वत: संभव हो जाता है।गांव के मुख्य तालाब की स्थिति हाल ही में बिगड़ गई थी।पानी की गहराई कम हो गई थी, किनारे गंदगी से अटे पड़े थे और जल निकासी के रास्ते अवरुद्ध हो चुके थे। गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने मिलकर इस दिशा में पहल की और एक दिन तय कर गांवभर के लोगों को एकत्र कर तालाब सफाई का श्रमदान शुरू किया। तालाब की सफाई के दौरान गाद निकाली गई, किनारों की झाड़ियां और जंगली घास हटाई गई,साथ ही नाली और निकासी व्यवस्था को पुन:सजीव किया गया ताकि बरसात का पानी बिना रुकावट भर सके। विशेष बात यह रही कि इस अभियान में गांव की महिलाओं और किशोरों ने भी भाग लिया। सुबह से लेकर शाम तक चले श्रमदान में एकजुटता और समर्पण की भावना साफ दिखाई दी। ग्राम वासियों ने कहा हमारे गांव का यह तालाब पीने,निस्तारी और पशुओं के लिए बेहद जरूरी है।बारिश में यह जल स्रोत भर जाता है,लेकिन अगर इसकी सफाई न की जाए तो यह गंदा होकर अनुपयोगी हो जाता है।इसलिए हमने खुद यह जिम्मेदारी ली और अब इसका पानी साफ और उपयोगी हो गया है। इस कार्य को देखने आसपास के गांवों के लोग भी पहुंचे और इस प्रयास की सराहना की। जहां एक ओर शासन स्तर से कई बार कार्य योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं,वहां ग्राम कसेरु के लोगों ने धरातल पर उदाहरण पेश किया है।ग्राम कसेरु निवासी पत्रकार मोती राम पटेल ने कहा,यदि शासन से कुछ सहयोग मिले, तो हम इस तालाब को और बेहतर बना सकते हैं — घाट निर्माण, बैठने की व्यवस्था,पौधारोपण और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य भी किए जा सकते हैं।

इस पूरे अभियान से यह संदेश स्पष्ट रूप से सामने आया कि जनसहभागिता और आत्मनिर्भरता ही ग्रामीण विकास की असली कुंजी है।ग्राम कसेरु के लोगों की यह सोच,आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर पर्यावरण,स्वच्छ जल स्रोत और जिम्मेदारी का भाव प्रदान करेगी।अब ग्रामीणों को प्रशासन से यह आशा है कि उनके इस प्रयास को न केवल सराहा जाए, बल्कि आगे अन्य विकासात्मक कार्यों में सहयोग भी दिया जाए,ताकि यह तालाब आने वाले वर्षों में और अधिक उपयोगी व सुंदर बन सके।

रेत के अवैध भण्डारण के 4 प्रकरणों में 245 हाईवा रेत ढेरी जप्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके के निर्देश पर जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर टास्क फोर्स की टीम लगातार कार्यवाही कर रही है। खनिज अधिकारी रोहित साहू ने बताया कि खनिज विभाग के अमले द्वारा 19 एवं 20 जून को राजिम,बकली,चौबेबांधा क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध भण्डारण के 4 प्रकरणों में 245 हाईवा रेत ढेरी जप्त किया गया। इसी प्रकार से खनिज रेत के अवैध परिवहन के 1 हाईवा एवं 4 ट्रेक्टर कुल 9 प्रकरणों पर नियमानुसार कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। सभी अवैध भण्डारणों पर छत्तीगसढ खनिज (खनन, परिवहन, तथा भण्डारण) नियम 2009 के तहत् एवं वाहनों पर खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 एवं छ0ग0 गौण खनिज नियम 2015 के प्रावधानों के तहत् कार्यवाही की जावेगी।उपरोक्त कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी रोहित कुमार साहू,खनि सिपाही,खिलेश्वर ध्रुव,नगर सैनिक भुवनेश्वर वर्मा एवं लाकेश साहू सहित पुलिस विभाग का विशेष योगदान रहा।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भगतपुर व निंगापुर में 34 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने एवं जनता की मूलभूत व आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए विधायक भावना बोहरा ने शुक्रवार को क्षेत्रवासियों की मूलभूत सुविधाओं के मद्देनजर ग्राम भगतपुर एवं निंगापुर में 34 लाख रुपए से अधिक के अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम भगतपुर में आंगनबाड़ी भवन एवं सार्वजानिक शौचालय तथा निंगापुर में नवीन ग्राम पंचायत भवन व विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार मोदी की गारंटी में किए अपने वादों को पूरा करते हुए डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की जनता की आकाँक्षाओं अनुरूप कार्य कर रही है। हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचना निर्माण कार्यों से ग्रामों का प्रतिबद्धता से समुचित विकास सुनिश्चित कर रही है और वहां निवासरत परिवारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। आज हमारे प्रदेश में पूर्ण

पारदर्शिता के साथ विकास और अधोसंरचना निर्माण के कार्य तेजी से पूरे किये जा रहें हैं और साधन एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होने से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित हुई है। हमें पूरा विश्वास है कि आज इन सभी विकास कार्यों से ग्रामवासियों को सुविधा मिलेगी और हमारा लक्ष्य एवं प्रयास भी यही है कि जनता की समस्याओं का समाधान कर विकास व उनका सशक्तिकरण करना।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश की पहचान हमारे गाँव से है, इसलिए हमारे ग्रामीण क्षेत्रों का निरन्तर विकास और जनता की मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। यह सभी निर्माण कार्य हमारे ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं जनता की सुविधाओं का विस्तार करने में बहुमूल्य भूमिका निभाएंगे। जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है तब से छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास से लेकर कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से जन-जन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। पंडरिया विधानसभा में विकास कार्य प्रगति पर हैं, जनता को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, महिलाओं का सशक्तिकरण, किसानों को सम्मान और युवाओं को रोजगार के साथ हमारे वृद्धजनों को आयुष्मान योजना के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित हजारों योग साधक ''योग संगम'' में शामिल हुए

''हरित योग'' थीम के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

कवर्धा (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को जिले में विशेष उत्साह और श्रद्धा के साथ ''योग संगम'' और ''हरित योग'' थीम पर जिला स्तरीय आयोजन किया गया। कवर्धा के पी.जी. कॉलेज डोम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हजारों योग साधकों ने सामूहिक योगाभ्यास के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने योग से निरोग रहते हुए नियमित योगाभ्यास, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि योग भारत की अमूल्य प्राचीन परंपरा है, जो आज संपूर्ण विश्व में स्वीकार की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से आज योग को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली रही है, और प्रत्येक वर्ष 21 जून को विश्वभर में योग दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने योग को जीवन का हिस्सा बनाकर मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मकता को बढ़ावा देने की अपील की। इससे पहले उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा सहित मुख्य अतिथियो ने दीप प्रज्वलित कर योग अभ्यास आयोजन का विधिवत शुभारंभ किया। सामूहिक शांति पाठ और ओम ध्वनि के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य, योग, आयुर्वेद और स्वच्छता से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसे नागरिकों और छात्र-छात्राओं ने गहरी रुचि से देखा।

पतंजलि योग पीठ के जिला प्रशिक्षक सुरेश चन्द्रवंशी के नेतृत्व में योगाभ्यास कराया गया। उनके साथ आयुर्वेद विभाग के अनुभवी योग प्रशिक्षकों ने भी विभिन्न योगासनों और प्राणायाम की तकनीक का अभ्यास करवाया। प्रशिक्षकों ने सरल और प्रभावशाली तरीके से सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, भुजंगासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति आदि का अभ्यास कराया और इनके लाभों की जानकारी भी दी।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी, जिला पंचायत सभापति रामकुमार भट्ट, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुषमा बघेल, उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, कलेक्टर गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह छवई, डीएफओ निखिल अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, समाजसेवी, शिक्षाविद एवं नागरिक शामिल हुए।

हरित योग' के माध्यम से पर्यावरण का संदेश- कार्यक्रम में ''योग संगम'' एवं ''हरित योग'' थीम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया गया। योग सत्र के उपरांत सभी प्रतिभागियों को पौधारोपण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी वितरित किए गए। आयोजकों द्वारा यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ शरीर के साथ-साथ स्वस्थ पर्यावरण भी आवश्यक है और योग दिवस पर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेना आज की आवश्यकता है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा के साथ जिलेवासियों ने किया सामुहिक योगाभ्यास

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य थीम पर मनाया गया ग्यारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गरियाबंद (समय दर्शन)। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री टंकराम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में आज गरियाबंद जिले में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।''एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य - योग संगम एवं हरित योग के थीम पर विश्व पटल पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन इन्डोर स्टेडियम में आयोजित किया गया।इस अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू,जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप,उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर,नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव,उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर,कलेक्टर बी.एस.उइके,पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने सवेरे 7 बजे से 8 बजे तक योग किया। सामूहिक योग में योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कराया गया, जिसमें अतिथिगण,प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी,गणमान्य नागरिक तथा स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परंपरा है, जिसकी शुरुआत साधु-संतों ने सदियों पहले की थी।उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से उन्होंने दीर्घायु और निरोग जीवन जिया। आज के समय में जब लोगों की दिनचर्या असंतुलित हो चुकी है,ऐसे में योग उन्हें पुन: संतुलन और स्वास्थ्य की ओर ले जा सकता है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योग को अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिली है।आज विश्व के 190 से अधिक देशों में योग दिवस मनाया गया, जो एक वैश्विक क्रांति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है। विकसित भारत और उसके लिए नागरिकों का स्वस्थ और अनुशासित जीवन आवश्यक है।उन्होंने कहा कि केवल सड़क, बिजली,पानी जैसी सुविधाओं में सुधार ही पर्याप्त नहीं,बल्कि जब आम नागरिक का स्वास्थ्य बेहतर होगा,तभी विकसित भारत की संकल्पना साकार हो सकेगी।उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में भी योग को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुभकामना संदेश का वाचन करते हुए समस्त नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की। साथ ही नियमित रूप से योग करने का शपथ भी दिलाया।इस दौरान राजिम विधायक रोहित साहू ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और संदेश को साकार करने आज हम सभी योगाभ्यास के लिए एकजुट हुए हैं।उन्होंने कहा कि योग जीवन में अत्यंत आवश्यक है।युवा,बुजुर्ग और महिलाएं, सभी वर्गों को इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। विधायक साहू ने कहा कि जब शरीर और मन दोनों स्वस्थ होते हैं,तब कार्यक्षमता और सोच भी बेहतर होती है। स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण योग के नियमित अभ्यास से ही संभव है। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र में योग को बढ़ावा देने और जन-जागरण लाने का निरंतर प्रयास करेंगे।

योग कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक गणेश व सहयोगी योग शिक्षकों द्वारा योग कार्यक्रम में विभिन्न आसान सहित प्राणायाम के तहत् कपालभाति,अनुलोम विलोम सहित अन्य आसन कराए गये और इससे जीवन में होने वाले फायदों के बारे में भी बताया गया। जो लोग योग करते है, वें मानसिक व शारीरिक दोनों रूप से स्वस्थ रहते है।योग से मन को शांति मिलती है।योग पश्चात मंत्री टंकराम वर्मा ने इन्डोर स्टेडियम परिसर में रक्त चंदन का पौधरोपण भी किया गया।साथ ही अन्य अतिथियों ने पौधे लगाये।इस अवसर पर उप निदेशक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व वरूण जैन,जिला पंचायत सीईओ जी.आर. मरकाम,अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, एसडीएम ऋचा ठाकुर,एसडीओपी निशा सिन्हा,उप संचालक समाज कल्याण डी.पी.ठाकुर, सहित अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं स्कूली बच्चे शामिल हुए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मिला निर्माण अनुज्ञा- चंद्रप्रकाश

हर गरीब के पक्का मकान का सपना हो रहा साकार

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को आवास के लिए भवन निर्माण की अनुज्ञा शुक्रवार को कार्यालय में दिया। उन्होने सभी लाभार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पार्षद प्रतिनिधि सोनू उपाध्याय उपस्थित रहे।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने हितग्राहियों को योजना के तहत मिलने वाली कुल राशि, किस्तों की प्रक्रिया एवं भुगतान की समय-सारणी के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने हितग्राहियों से आग्रह किया कि वे निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करें और स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुदृढ़ आवास की ओर अग्रसर हों।

अध्यक्ष चंद्रवंशी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह योजना देश के हर गरीब और बेघर व्यक्ति के लिए एक वरदान साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से अब हर पात्र व्यक्ति को पक्के छत का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ की गई यह योजना सभी को आवास के संकल्प को मजबूती प्रदान कर रही है। श्री चंद्रवंशी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार की सक्रिय भागीदारी और पारदर्शी कार्यप्रणाली के चलते इस योजना का लाभ सीधे ज़रूरतमंद लोगों तक पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की सतत निगरानी, समर्पण एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता के चलते नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

नाम परिवर्तन

मैं आसमन पिता श्री दलित जाति गोंड निवासी ग्राम खरता तहसील मैनपुर जिला गरियाबंद छ.ग. का निवासी हूँ। मेरे पुत्र का नाम पूर्व में भोरदू राम पिता आसमन था, जिस कारण उसके आधार कार्ड में मेरे पुत्र का नाम भोरदू राम पिता आसमन है।

मैं अपने पुत्र का नाम परिवर्तन करा कर विमल कुमार पिता आसमन रख लिया हूँ जिस कारण उसके समस्त दस्तावेज में अब विमल कुमार पिता आसमन दर्ज कराना चाहता हूँ।

मेरे द्वारा दी जा रही जानकारी सत्य एवं सही है। यह शपथ पत्र मेरे पुत्र का नाम परिवर्तन हेतु प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

!! न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम!!

//ईश्तहार//

ई-कोर्ट प्रकरण कमांक .....
ब-121/वर्ष 2024-25 ग्राम बिटकुलीकला

एतद् द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासी बिटकुलीकला सूचित किया जाता है आवेदक - विनोद साहू पिता झडीराम निवास का पता ग्राम - बिटकुलीकला तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने दादा जेठूराम साहू पिता मानसिंह निवास का पता ग्राम बिटकुलीकला तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ है, जिनकी मृत्यु ग्राम बिटकुलीकला तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ में दिनांक 01.01.1973 को हुआ है जिनकी मृत्यु तिथि शासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 24.06.2025 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सुनवाई तिथि: 24.06.2025

नायब तहसीलदार
पिपरिया
जिला कबीरधाम, (छत्तीसगढ़)

मुहर

!! न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम!!

//ईश्तहार//

ई-कोर्ट प्रकरण क्रमांक .....
ब-121/वर्ष 2024-25 ग्राम गुढ़ा
क्रमांक/140/वाचक/ना.तह./2025,
पिपरिया दिनांक / /2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को समस्त ग्रामवासीगण ..... सूचित किया जाता है. आवेदक / आवेदिका शत्रुहन साहू निवास का पता- ग्राम गुढ़ा तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ द्वारा अपने पुत्री दित्या साहू पिता शत्रुहन निवास का पता ग्राम गुढ़ा तहसील पिपरिया, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़में दिनांक 21-10-2007 को हुआ है जिनकी जन्म तिथि शासकीय दस्तावेजों में दर्ज कराये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उपर्युक्तानुसार वर्णित पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा-आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षकर्ता न्यायालय में प्रकरण की सुनवाई तिथि 03/07/25 तक स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सुनवाई तिथि 03/07/2025
जारी तिथि 19/06/2025

न्यायालय नायब तहसीलदार
पिपरिया
जिला कबीरधाम, (छत्तीसगढ़)

मुहर

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 169987/निविदा सूचना क्र. 02/वलेलि/2025-26, डोंगरगांव, दिनांक 18.06.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक **09.07.2025** 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - राजनांदगांव (वर्तमान मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी) जिले के विकासखण्ड मोहला की देवरसुर जलाशय के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार एवं मुख्य नहर के आर.डी. 0 मी. से 3300 मी. तक रिमाडलिंग एवं सी.सी. लाईनिंग कार्य तथा 03 नग व्ही.आर.बी. का निर्माण, 06 नग पक्के संरचनाओं का मरम्मत कार्य।

अनुमानित लागत- रू. 170.25 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **25.06.2025** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

G-252601649/2

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन बैराज संभाग, डोंगरगांव
कृते-अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

शासकीय उच्च प्राथमिक शाला सेमरिया में ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला सेमरिया संकुल सेमरिया में ग्यारहवे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया,विकासखंड धमधा जिला दुर्ग अन्तर्गत संकुल सेमरिया के शासकीय उच्च प्राथमिक शाला सेमरिया में हर्षोल्लास के साथ विश्व योग दिवस का आयोजन हुआ।इस अवसर संकुल समन्वयक श्री सूर्यकान्त हरदेल ने ग्यारहवे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग के महत्ता पर विचार व्यक्त किया। र,जनप्रतिनिधि सरपंच श्रीमती पुष्पलता बंजारे ने उद्बोधन दिया।योग अभ्यास योग

शिक्षको के द्वारा मंगला चरण के साथ प्रारंभ कराते हुए खड़े होकर किए जाने वाले योगाभ्यास ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन, कटि चालन,घुटना संचालन,ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन,अर्धचक्रासन,त्रिकोणासन का अभ्यास के साथ लाभ और निषेध पर चर्चा किया गया। बैठकर किए जाने वाले आसन भद्रासन,वज्रासन,वीरासन, अर्द्ध उस्ट्रासन, शशांकासन, दंडासन, चक्रासन अभ्यास एवम सावधानियों पर चर्चा हुई।

तत्पश्चात पीठ और पेट के बल लेट कर किए जाने वाले आसन मकरासन, भुजंगासन,शलभासन,धनुरासन, अर्द्ध हलासन,पवनसुत आसन, शवासन कराने लाभ और सावधानियों पर भी चर्चा किया गया।

प्राणायाम में कपालभाति, नाडीसोधन, भ्रामरी प्राणायम कराया गया।उसके बाद ध्यान भी कराया गया।इस आयोजन में योग के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कुलदीप कुमार देशमुख ने नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया , ।नियमित योग करने से स्वास्थ्य के लिए उत्तम साधन योग को बताया। प्रधान पाठक श्रीमती मिताली दास संकुल समन्वयक सूर्यकांत हरदेल ,श्रीमती सावित्री महिलांग, श्रीमती आरती देवांगन,हेमशंकर देवांग ,श्री मोहित बंजारे,समस्त पंच गण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका ने भाग लिए, एसएमसी सदस्यों,ग्रामीण जनों, और छात्रों ने योग दिवस में सहभागी बने।इस प्रकार सफ्लता पूर्वक ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का समापन हुआ।

संक्षिप्त-खबर

बंसूला स्कूल ग्राउंड मे छात्र,शिक्षक व जनप्रतिनिधियों ने किया योग

बसना (समय दर्शन)। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को पूरे विश्व में योग प्राणायाम से करोड़ों लोगों ने योग प्राणायाम से अपने दिन की शुरूआत किया । इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला बसना में पतंजलि योग समिति के तहसील प्रभारी रमेश अग्रवाल के द्वारा अनुलोम विलोम, ताड़ासन, पद्मासन, तितली आसान, मयूरासन, वज्रासन, शवासन आदि अनेक आसनों का अभ्यास कराया गया। इस दौरान योग प्राणायाम के लाभ के बारे में बताया। इस अवसर पर प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा ने योग से होने वाले फायदे के बारे विस्तार से बच्चों को बताया। अंत में आभार प्रदर्शन मिडिल स्कूल के प्रधान पाठक दिनेश डडसेना के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बंसुला के सरपंच नवीन साहू, उपसरपंच किशोर प्रधान, समिति के अध्यक्ष चमेली सागर, विद्यालय स्टॉफसे राजेश भोई, राजेश साव, सुजाता प्रधान, मंदाकिनी प्रधान, अनिता साहू, सीता साहू, पुष्पांजलि बगरती सहित पूरे बच्चे उपस्थित थे।

उर्वरक दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण

सरायपाली (समय दर्शन)। खरीफफसल के मद्देनजर किसान भाईयों को सुविधा मिले व शासन की योजनाओं को धरातल मे फलीभूत करने तथा खाद, बीज, एवं कीटनाशक का कालाबाजारी रोकने कृषि विभाग द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। विकासखंड सरायपाली में कृषकों को उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने की दिशा में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सरायपाली सुश्री नम्रता चौबे के नेतृत्व में आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में अतिरिक्त तहसीलदार सुश्री मनीषा देवांगन, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी.एल. मिर्धा एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एल.के. चौहान शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान सरायपाली के मेसर्स राजेश अग्रवाल एवं पटेल कृषि सेवा केंद्र का जायजा लिया गया। अनुविभागीय अधिकारी ने फर्म संचालकों को निर्देशित किया कि उर्वरक का वितरण केवल निर्धारित मूल्य पर और पॉस मशीन के माध्यम से ही किया जाए। साथ ही दुकानों में मूल्य सूची का स्पष्ट रूप से प्रदर्शन अनिवार्य किया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि खाद की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरि गैस एजेंसी के संचालक अरविंद कुमार अग्रवाल पर पत्रकार को जान से मारने व धमकी देने पर FIR दर्ज

अहिवारा। दुर्ग जिले के नंदनी थाने में गोबर्धन प्रसाद ताम्रकार अहिवारा वार्ड नंबर 01 निवासी एंव दैनिक समाचार पत्रिक की संवाददाता ।(पत्रकार) व अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति दुर्ग जिला कार्यकारी सदस्य जो इण्डियन न्यूज चैनल का अहिवारा मे अवैध विल्डिंग अस्पताल निर्माण कर किराये में चलने संबंधित समाचार इण्डियन न्यूज चैनल द्वारा समाचार चलाया गया था। जिससे बैखलाकर हरि कृपा गैस एजेंसी के संचालक अहिवारा वार्ड 5 अरविन्द कुमार अग्रवाल द्वारा रात्रि 10.05मिनट पर फोन कर गोबर्धन ताम्रकार को गाली गलौज व जान से मारने एवं धमकी देने लगा कि तुमने समाचार कैसे चलाय है, मै तुम देखलूंगा और मारुंगा एवं पहुंच उपर तक है कह रहा था। हमने कहा जिसने समाचार चलाया हो उससे बात करो इंडियन न्यूज़ चैनल वाले से बात करो हमने एक पत्रकार एवं अहिवारा कि समाचार के होने के कारन यहाँ के ग्रुप में डाला है। जिस प्रकार से उसने जान से करने और धमकाया उससे मैं बहुत डर गया हूं, जिस कारण हरि कृपा एजेंसी के संचालक अरविंद कुमार अग्रवाल पर कार्रवाई एवं स्नद्धक्रकरने का आवेदन दिया हूं। निवेदन किया हूं तत्काल स्नद्धक्रकर गिरफ्तार करें।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर की ध्वनि से गुंजायमान हुआ मण्डी प्रांगण बसना

- योग बने जीवन का आधार-डॉ.सम्पत अग्रवाल
- योग है भारत की आत्मा, इसे बनाएँ जीवन की धारा
- अंतर्राष्ट्रीय योग 'घर-घर योग, जन-जन करे योग' बने राष्ट्र का मंत्र

बसना (समय दर्शन)। बसना नगर स्थित कृषि उपज मंडी प्रांगण में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक भव्य एवं ओजपूर्ण समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने योग को मानवता की सर्वोच्च धरोहर बताते हुए उपस्थित जनसमुदाय का आह्वान किया करें योग, रहें निरोग-यही स्वस्थ जीवन का मूलमंत्र है।

समारोह की शुरुआत मंत्रोच्चार और सामूहिक योगाभ्यास से हुई, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। इस अवसर पर विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने श्वेताश्वतर उपनिषद का हवाला देते हुए कहा, न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्य योगाग्निमयं शरीरम्। उन्होंने योग को केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा के समन्वय की सनातन परंपरा बताया।

विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा, जब समूचा विश्व आज योग की ओर उन्मुख है, यह हमारे ऋषि-मुनियों की दूरदृष्टि का प्रमाण है। योग हमारी संस्कृति की आत्मा है और अब यह वैश्विक जीवनशैली बन चुकी है।

समकालीन चुनौतियों की ओर इंगित करते हुए विधायक ने कहा कि जब दुनिया तनाव, अशांति और अस्थिरता से जूझ रही है, योग वह 'पॉज बटन' है जिसकी मानवता को नितांत आवश्यकता है। यह केवल शांति नहीं, संतुलन और स्व की खोज भी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में अंतरराष्ट्रीय मंच पर योग को पहचान दिलाने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब हर 21 जून हम अपनी आस्था और प्रतिबद्धता को एक स्वर में प्रकट करते हैं। यह एक दिन नहीं, यह जन-जन का आंदोलन है।

समापन में डॉ. अग्रवाल ने सभी योग शिक्षकों, आयोजकों और प्रतिभागियों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हुए जनता से अपील की, कि योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। न सिर्फ आज, बल्कि हर दिन योग करें और इस जनांदोलन को सशक्त करें 'घर-घर योग, जन-जन योग'। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल,विधानसभा संयोजक एन के अग्रवाल,नगर पंचायत अध्यक्ष खुशबू अग्रवाल,नगर पंचायत उपाध्यक्ष शीत गुप्ता,विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल,बसना एसडीएम मनोज खांडे,नगर पंचायत सीएमओ सूरज सिदार,मंडल अध्यक्ष नरेंद्र यादव,मंडल महामंत्री दीपक शर्मा, विधायक प्रतिनिधि निर्मल दास, अ. ज. जा. मोर्चा जिलाध्यक्ष अखिलेश भोई,वार्ड पार्षद आशीष साह,महेंद्र सिंह पिंटू,राकेश डडसेना,मंडल मंत्री गिरजा नन्द,सौरभ अग्रवाल,पूर्व मंडल महामंत्री अभिमन्यु जायसवाल,भाजपा कार्यकर्ता सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मोहगांव स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

साँकरा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक/हाई स्कूल मोहगांव, संकुल केंद्र मोहगांव, विकास खण्ड पिथौरा के संयुक्त तत्वाधान में ग्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून दिन शनिवार को शाला परिसर मोहगांव में हर्षोल्लास के साथ योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुबह 6:30 बजे से 7:45 बजे तक निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास, सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार कराया गया, तथा योग से होनेवाले लाभ के बारे में बताया गया। आज के बदलते लाइफ स्टाइल और खान-पान के दुष्प्रभाव से शरीर को योग प्राणायाम से ही स्वस्थ रखा जा सकता है, और हमारे दैनिक जीवन में योग को सम्मिलित करके लंबे समय तक स्वस्थ रह सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चे, शिक्षक, पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे । सभी लोगों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया और योग को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करने का संकल्प लिया । शासकीय हाई स्कूल के प्राचार्य जे कुमार के द्वारा योग कराया गया । कार्यक्रम के अंत में सभी को गुड़ चना का वितरण किया गया । योगाभ्यास को सफ्ल बनाने में विजय बारीक सरपंच ग्राम पंचायत मोहगांव, टिकमलाल प्रधान ग्राम प्रमुख, मिडिल स्कूल प्रधान पाठक रविलाल प्रधान, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक भोजराज प्रधान, संकुल समन्वयक अंजय कश्यप, शिक्षक अहीर कुमार बरिहा, बी. एस भोई, कु. ईश्वरी पटेल, एस. आर. बंजारे, नवीन बुडेक, गौरीशंकर पण्डा सहायक शिक्षक, श्रीमती कविता बढ़ाई, श्रीमती नीलिमा साव, विजय कुमार नाग, मोहन साहू पंच, रत्नाकर प्रधान, मनोरंजन छत्तर, प्रह्लाद प्रधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुरातात्विक और ऐतिहासिक नगरी सिरपुर में जिला स्तरीय ग्यारहवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम हुआ आयोजित

- सांसद व स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधियों व आला अधिकारियों ने भी किया योगाभ्यास
- योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी
- सिरपुर को विश्व धरोहर की सूची में शामिल करने पुरजोर प्रयास जारी- सांसद

महासमुन्द (समय दर्शन)। पुरातत्विक व ऐतिहासिक नगरी एवं पर्यटन स्थल सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर परिसर में ग्यारहवां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह आयोजन पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग रायपुर मंडल द्वारा किया गया । कार्यक्रम में श्रीमती रूपकुमारी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए ।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर, स्काउट गाइड संघ के जिलाध्यक्ष श्री येतराम साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मोगरा पटेल,नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी,महेंद्र सिक्का,श्री दाऊ लाल चंद्राकर, सहित कलेक्टर श्री विनय लंगेह,पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष सिंह,वनमण्डलाधिकारी श्री मयंक पांडेय,जिला पंचायत सीईओ श्री एस आलोक,अपर कलेक्टर श्री रवि साहू, जिला अधिकारी,स्कूली बच्चे ,ग्रामीण एवं युवा जन मौजूद थे ।कार्यक्रम में सैकड़ों स्कूली विद्यार्थियों संग जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के आला अधिकारी सहित कर्मचारियों ने योगा के विभिन आसनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के राज्य प्रमुख श्री मुथैयाकाली मुथूट सहित आला अधिकारी भी मौजूद थे ।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो तन, मन और आत्मा का संतुलन स्थापित करता है ।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रयासों से आज पूरा विश्व योग की महत्ता को समझते हुए 21 जून को योग दिवस मनाता है। योग व्यक्ति को न केवल निरोग बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक सोच भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार योग को जन-जन तक पहुँचाने निरंतर कार्य कर रही है ।उन्होंने कहा कि इसे हम दिनचर्या में शामिल करें ।योग की महत्ता को पूरे विश्व में स्वीकार किया गया है। उन्होंने बताया कि 193 देशों के मौजूदगी में 177 देशों ने योग दिवस मनाए जाने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सिरपुर को यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के रूप में स्थापित करने पुरजोर प्रयास जारी है। सांसद में भी आवाज उठाई गई है। छत्तीसगढ़ बीज निगम के अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर ने कहा कि ने सभी प्रदेशवासियों से योग को दैनिक जीवन में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि योग करें, निरोग रहें, यही हमारे जीवन की सच्ची पूँजी है। उन्होंने कहा कि योग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। इसे शामिल करें और स्वस्थ्य रहें। स्काउट गाइड संघ के जिलाध्यक्ष श्री येतराम साहू ने कहा कि आज का दिन भारत के उस योग विधा को अपनाने का दिन है ।

ग्राम ठाकुरदिया कला में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का हुआ आयोजन

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला ठाकुरदिया कला में संयुक्त रूप से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साह पूर्वक किया गया। मिडिल स्कूल के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में सरपंच श्रीमती दुलेश्वरी दीवान, मिडिल स्कूल प्रधान पाठक छबिराम पटेल, प्रायमरी स्कूल की प्रधान पाठिका श्रीमती कुसुमलता कुर्रे, शिक्षक मोहित राम पटेल, मुकेश कुमार सिन्हा,ग्रामीणों में श्रीमती छाया दीवान,उत्तरा दीवान,ललिता ठाकुर,टिकेश्वेरी दीवान, डिगेश्वर यादव,आंगन बाड़ी कार्यकर्त्ता मनटोरी दीवान सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे उपस्थित रहे। इस दौरान मिडिल स्कूल के प्रधान पाठक छबिराम पटेल ने योग प्रारंभ होने के पहले योग करने से लाभ एवं महत्व के बारे में बताया। इस योगाभ्यास कार्यक्रम में सभी जनों ने उत्साह के साथ विभिन्न तरह के योग किया और उससे लाभान्वित हुए।

सर्व आदिवासी समाज द्वारा भंवरपुर में बीएसएफ जवान जागेश्वर दीवान को दी गयी श्रद्धांजली

- वीरांगना महारानी दुर्गावती के बलिदान दिवस मनाने बैठक सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। भारत के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को स्मरण किया जाय तो देश धर्म समाज जाति संप्रदाय के रक्षा के लिए अनेकों महान विभूतियों के वीरगाथाओं का उल्लेख इतिहास में पढ़ने को मिलते हैं । जिनमें सन् 15 वीं शताब्दी में अखिल भारत वर्ष में स्थापित गोंडवाना साम्राज्य शासनकाल की विरांगना महारानी दुर्गावती ने क्षत्राणी धर्म विरांगना शौर्य नारी पराक्रम त्याग की प्रतिमूर्ति देवी का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा में सन-?24 जून 1564 में विदेशी मुग़ल विधर्मियों और आक्रांताओं से लड़ते हुए अपनी सर्वोस्व बलिदान कर आत्मोसर्ग कर दीं। जिनकी 461 वीं बलिदान दिवस को प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, अखिल भारतीय गोंडवाना गोंड समाज एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के संयुक्त तत्वावधान में भंवरपुर स्थित गढ़किला मैदान सर्व आदिवासी समाज सामुदायिक भवन से सांगठनिक जनरैली निकलकर विरांगना महारानी दुर्गावती स्मारक स्थल पहुंचेगी। जहां पूजा आरती कर श्रध्दा सुमन अर्पित किया जाएगा। तत्पश्चात रैली गढ़किला मैदान के मंडी प्रांगण में सांगठनिक जनसभा में राष्ट्रसेवा में आदिवासी

समाज के ऐतिहासिक भूमिका और योगदानों को स्मरण , वर्तमान सामाजिक एवं सांगठनिक संघर्ष एकता, अखंडता पर विचार संगोष्ठी भोजन प्रसाद पश्चात आयोजन सभा समापन का कार्ययोजना बनाया गया है।

इस बलिदान ऐतिहासिक दिवस के अवसर पर अंचल के सर्व आदिवासी समाज के अबालवृध्द महिला- पुरूष युवक -युवतियां को अधिक से अधिक संख्या में पधारकर सहभागिता देने की अपील किया गया है। बैठक के दौरान अंचल के ग्राम बम्हनीनडीह निवासी जागेश्वर दीवान जो बीएसएफ सैन्य बल सेवा में सेवारत जवान के सेवाकाल के दौरान हैदराबाद केम्प में आकस्मिक निधन का समाचार मिलने पर आदिवासी समाज द्वारा अपूरणीय क्षति के साथ शोक व्यक्त किया गया और दिवंगत सेना के जवान को मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजली दिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से अमृतलाल जगत जिला अध्यक्ष छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ महासमुन्द, गणेशराम सिदार उदलसिंह पोर्ते करताल सिंह जगत, मुनुसिंह जगत, राजेन्द्र सिंह सिदार, उत्तर सिदार, कैलाश सिदार ,घसिया सिदार, नरेश पोर्ते, चंद्रशेखर जगत, परमानंद नागेश, धनश्याम सिदार, विष्णु मांझी, चंद्रहास बरिहा, रमाकांत टेकाम, दुलारसिंह पारेश्वर, समाज दूत मंगलसिंह सिदार, ललित दीवान, प्रकाश पारेश्वर , जयकुमार सिदार, श्यामलाल सिदार, महेश नेताम, महेश सिदार, शिवलाल सिदार, रूपसिंह सिदार, श्यामाचरण सिदार, उत्तर बाघ, राजकुमार नेताम, चैतराम सिदार, पुरूषोत्तम सिदार, छबीलाल सिदार, कैलाश खैरवार, शंकरसिंह सिदार, डोलामणी, मिलापराम सिदार, नानदेव सिदार, दासरथी सिदार, आदि सर्व आदिवासी समाज के सामाजिक जन उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी राजेन्द्र सिंह सिदार शिक्षक ने प्रेस विज्ञप्ति में दी।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26